MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 06 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-154

भारत स्वाभिमानी

पुतिन बोले-इसे कोई नहीं झुका सकता

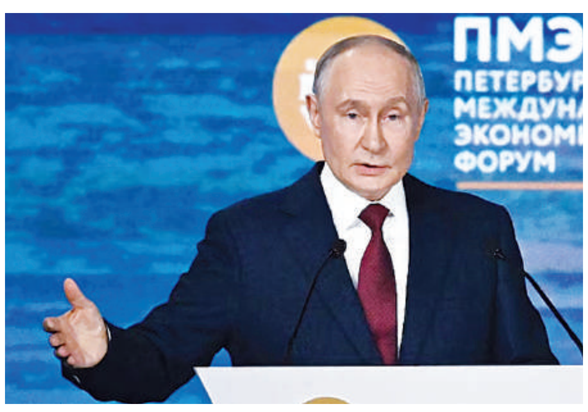

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि भारत ने कभी भी अपनी सीमाओं के बाहर से मिले आदेशों का पालन नहीं किया है। पुतिन का यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार नई दिल्ली पर दबाव बना रहे हैं कि भारत मॉस्को के साथ अपने व्यापारिक रिश्तों में कटौती करे। पुतिन के इस बयान को ट्रंप समेत पूरे अमेरिकी प्रतिष्ठान को रूस की ओर से दो-टूक जवाब माना जा रहा है। सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (SPIEF'26) में बोलते हुए रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने स्पष्ट किया कि संप्रभुता और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता पर कभी भी सवाल नहीं उठाया जा सकता। SPIEF'26 रूस का प्रमुख वार्षिक आर्थिक मंच है, जिसमें दुनिया के 130 देशों के बीस हजार प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। एसपीआईईएफ 26 में शुक्रवार के कार्यक्रम का संचालन इंडिया टुडे ग्रुप की फॉरेन अफेयर्स एडिटर गीता मोहन ने किया।

कार्यक्रम के दौरान जब पुतिन से रूस के आर्थिक रूप से अलग-थलग पड़ने के बारे में सवाल पूछा गया, तो राष्ट्रपति ने कहा, स्वाभाविक रूप से, भारत, जिसने कभी भी विदेश से आए किसी आदेश का पालन नहीं किया है, या पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना। संप्रभुता और संप्रभु निर्णय लेने की क्षमता पर कभी सवाल नहीं उठाया जा सकता।

इससे पहले एसपीआईईएफ 26 को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि भारत दुनिया की आईटी इंडस्ट्री का अहम साझीदार और बड़े खिलाड़ियों में से एक है। एसपीआईईएफ 26 को पुतिन का दावोस को जवाब माना जा रहा है, क्योंकि दावोस में अमेरिका और यूरोपीय देशों की अगुआई में आर्थिक सम्मेलन का आयोजन किया जाता रहा है। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि रूस के साथ संबंधों को लेकर भारत पर दबाव बनाने की कोशिशें बेकार हैं। उन्होंने कहा था कि मॉस्को का भरोसेमंद साथी भारत पश्चिमी देशों के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। भारत लंबे समय से अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर गर्व करता रहा है। हालांकि, पिछले साल रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत को ट्रंप के दबाव का सामना करना पड़ा था। ▶8पर

पुतिन का जेलेंस्की से मिलने से इनकार

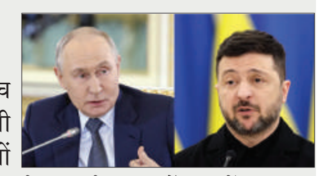

मॉस्को/नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को 4 साल से भी ज्यादा समय बीत चुका है। दोनों ओर से लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं। इसमें लगातार लोगों की मौत भी हो रही है। इसके बावजूद अब तक इस जंग के खत्म होने की संभावना दिखाई नहीं दे रही है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को एक साथ बैठकर बातचीत करने का न्योता दिया था। हालांकि, एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के आमने-सामने बैठक के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

दरअसल, इससे पहले वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नाम एक खुला खत लिखा था। इस खत में ज़ेलेंस्की ने कहा- जब आप (पुतिन) 26 साल से भी पहले रूस में सत्ता में आए थे, तब यूक्रेन के कई लोग आपको सकारात्मक रूप से देखते थे। ऐसा ही था। लेकिन अब वह पुरानी बात हो गई है। अब, यूक्रेन के ज्यादातर लोग इस बात को सकारात्मक तौर पर देखते हैं कि हमारे लंबी दूरी के ड्रोन ने सेंट पीटर्सबर्ग में आपके मंच के उद्घाटन के दौरान 1,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की। आप अच्छे से जानते हैं, यह दूरी हमारी ताकत की सीमा नहीं है। यूक्रेन सभी युद्धबंदियों के आदान-प्रदान के लिए तैयार है, और यह जंग को खत्म करने की दिशा में एक अच्छा कदम साबित हो सकता है। युद्ध के दौरान ले जाए गए नागरिकों और बच्चों की वापसी के लिए गंभीर कदम उठाए जाने चाहिए। ज़ेलेंस्की ने कहा- हमें यह निर्धारित करना होगा कि हमारे बाद आने वाली यूक्रेनी और रूसी पीढ़ियों का भविष्य कैसा होगा। यदि आप व्यक्तिगत तौर पर इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचते हैं कि इस जंग को खत्म करने का वक्त आ चुका है, तो यूक्रेन अपने अस्तित्व के लिए लड़ता रहेगा। ▶8पर

मोदी कैबिनेट फेरबदल 9 को?

चुनावी राज्यों को ध्यान में रखकर बनेंगे मंत्री

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। दो केंद्रीय मंत्रियों को फिर से राज्यसभा में नहीं भेजने के बीजेपी के फैसले के बाद मोदी मंत्रिपरिषद में फेरबदल की अटकलों ने फिर जोर पकड़ लिया है। प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष अगले सप्ताह नौ जून को पूरे करने जा रहे हैं। अगर उनके अब तक के कार्यकाल में किए गए मंत्रिमंडल विस्तारों को देखा जाए, तो इस बात की संभावना जोर पकड़ रही है कि आने वाले दिनों में मोदी मंत्रिपरिषद में फेरबदल हो सकता है। अगले साल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अटकलें लगाई जा रही हैं कि प्रधानमंत्री मोदी इन्हें ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल विस्तार करेंगे।

किन राज्यों में होने वाले हैं चुनाव

अगले साल पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, गोवा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें हिमाचल प्रदेश और पंजाब को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं। जिस तरह से पंजाब से आने वाले केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को फिर से राज्यसभा सीट नहीं देने का फैसला किया गया है, उससे संकेत मिल रहा है कि पंजाब से किसी अन्य चेहरे को मंत्रिपरिषद में जगह मिल सकती है। पंजाब से आने वाले बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केंद्रीय महासचिव तरुण चुघ को मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजने का फैसला किया गया है। इसी तरह कुछ अन्य मंत्रियों का राज्यसभा कार्यकाल भी इस साल पूरा हो रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के सांसद हैं। उनका कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसी तरह उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के राज्य मंत्री बी एल वर्मा भी उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं और उनका कार्यकाल भी 25 नवंबर तक है।

किन राज्यों के नेताओं को फायदा

उत्तर प्रदेश की 11 राज्यसभा सीटों पर इस साल के अंत में चुनाव होना है। जबकि अगले साल की शुरुआत में यूपी में विधानसभा चुनाव होगा। उसी के साथ उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर के भी चुनाव कराए जाएंगे। जबकि अगले साल के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा के चुनाव होंगे। संभावना है कि मंत्रिपरिषद फेरबदल में इन राज्यों से कुछ नए चेहरों को जगह मिल सकती है। कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाए जाने या फिर उनके विभाग बदलने की भी संभावना है। हाल की मंत्रिपरिषद बैठक में कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया था। ▶8पर

गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव

पाक योजना पर भारत का कड़ा विरोध

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान द्वारा गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के लिए 7 जून 2026 को प्रस्तावित सामान्य चुनाव कराने की योजना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में पाकिस्तान को औपचारिक आपत्ति पत्र सौंपा है। भारत सरकार ने अपने बयान में एक बार फिर साफ किया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश, जिसमें तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। सरकार ने कहा कि यह स्थिति 1947 में जम्मू-कश्मीर के भारत में कानूनी, पूर्ण और स्थायी विलय के कारण है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि पाकिस्तान द्वारा इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की चुनावी या प्रशासनिक गतिविधि का कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत ने साफ तौर पर कहा कि ऐसे कदमों से जमीनी हकीकत नहीं बदली जा सकती और पाकिस्तान के अवैध कब्जे को छुपाया नहीं जा सकता। भारत ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और लोगों को स्वतंत्रता से वंचित करने जैसी समस्याएं लगातार जारी हैं। भारत ने कहा कि ऐसे प्रयास इन वास्तविक समस्याओं को छिपा नहीं सकते।

मोदी से की हस्तक्षेप की अपील

इस बीच पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर के मानवाधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि वे क्षेत्र के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करें। उन्होंने आरोप लगाया कि गिलगित-बाल्टिस्तान और पीओके में राजनीतिक और नागरिक अधिकार ▶8पर

नहीं झुकीं ममता

अभिषेक बनर्जी का पद क़ायम

कोलकाता, 05 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की अहम बैठक में ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। बागी विधायकों के विरोध के बावजूद ममता ने अभिषेक बनर्जी को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। ममता बनर्जी टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी रहेंगी। इसके अलावा टीएमसी ने पार्टी के बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को बंगाल विधानसभा के स्पीकर द्वारा नेता प्रतिपक्ष का दर्जा दिए जाने के खिलाफ हाई कोर्ट जाने का फैसला लिया है। टीएमसी इस फैसले को कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती देगी। शुक्रवार शाम को तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर एक बैठक हुई, जिसमें बहुत कम नेताओं, केवल 3 सांसदों और 8 विधायकों के भाग लेने की सूचना है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी को कई राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे माहौल में इस मीटिंग पर सबकी नजरें थीं।

ममता बनर्जी के आवास पर पहुंचने वालों में पूर्व विधायक चंद्रिमा भट्टाचार्य, राज्यसभा सांसद डोला सेन, स्वरूपनगर की विधायक बीना मंडल, लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी, पूर्व मंत्री राजीव बनर्जी शामिल थे।

टीएमसी के कई बागियों ने अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ खुली आपत्ति जताई थी। ऐसे में लोग ये जानना चाह रहे थे कि क्या ममता अभिषेक के खिलाफ कोई एक्शन लेती हैं? ▶8पर

ममता के लिए पठान नहीं छोड़ेंगे सीट

सांसद बना बाग़ी!

कोलकाता, 05 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवाने और विधानसभा में 58 विधायकों के विद्रोह के बाद ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 28 साल के इतिहास के सबसे गंभीर संकट से जूझ रही है। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद ममता बनर्जी को टीएमसी से संसद भेजने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी ने पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली के जरिए यूसुफ पठान को मैसेज भिजवाया कि वो बहरामपुर लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दें, ताकि उपचुनाव में ममता को वहां से सांसद बनाया जा सके, लेकिन यूसुफ पठान ने इस्तीफा देने से मना कर दिया। अब टीएमसी इंतजार में है कि बसीरहाट लोकसभा पर उपचुनाव में ममता बनर्जी को उम्मीदवार बनाया जाए।

बसीरहाट से टीएमसी सांसद हाजी नूरुल की मृत्यु के बाद ये सीट खाली है। करीब 28 वर्षों से तृणमूल की आंतरिक व्यवस्था एक ही सिद्धांत पर टिकी रही ˆ पार्टी और नेता ममता बनर्जी एक-दूसरे के पर्याय हैं, लेकिन अब पहली बार यह समीकरण गंभीर चुनौती के घेरे में है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^{0}
न्यूनतम : 26^{0}

बांग्लादेश बार्डर पर टेंशन

घुसपैठ नाकाम, बीएसएफ ने मोर्चा संभाला

कूचबिहार, 05 जून (एजेंसियां)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर शुक्रवार को टेंशन का माहौल रहा। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और कड़ी निगरानी के बावजूद बांग्लादेशी घुसपैठियों ने भारत में घुसने की कोशिश की। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद आनन-फानन में बीएसएफ को मोर्चा संभालना पड़ा। ये घटना भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर कूचबिहार जिले के मेखलीगंज ब्लॉक में हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में औलियाहाट बॉर्डर भारतीय सीमा के ठीक सामने स्थित है। शुक्रवार सुबह उस इलाके में ज़ीरो पॉइंट के पास अचानक कुछ बांग्लादेशी इकट्ठा होने लगे और धीरे-धीरे उनकी संख्या बढ़ती गई। रिपोर्ट के अनुसार इन बांग्लादेशियों ने भारत में घुसपैठ की कोशिश की। ▶8पर

फूंक डाले 1.81 लाख करोड़, नहीं मिला एक बूंद पानी: रेवंत

हैदराबाद, 5 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने अपने 10 साल के शासनकाल में सिंचाई परियोजनाओं पर 1.81 लाख करोड़ की भारी-भरकम राशि खर्च कर दी, लेकिन इसके बावजूद न तो एक भी बड़ी परियोजना पूरी हुई और न ही किसानों को इसका कोई लाभ मिला।

पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले के दो दिवसीय दौरे के समापन पर नागरकर्नूल में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीआरएस सरकार ने भू-अधिग्रहण पूरा किए बिना और विस्थापित किसानों को राहत व पुनर्वास पैकेज दिए बिना ही परियोजनाओं का काम शुरू कर दिया, जो पूरी तरह से गैर-जिम्मेदाराना था।

केसीआर परिवार ने कमीशनखोरी के लिए जनता का पैसा लूटा

मुख्यमंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि जहां कालेश्वरम परियोजना पर 1 लाख करोड़ खर्च कर दिए गए, वहीं इस क्षेत्र की जीवनदायिनी मानी जाने वाली पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। इस परियोजना में 90 टीएमसी पानी की आपूर्ति करने और क्षेत्र की 26 लाख एकड़ भूमि को सिंचित करने की क्षमता थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पालमुरु परियोजना पर 27,000 करोड़ खर्च किए गए, लेकिन इसका अधिकांश हिस्सा केवल पंपों और लिफ्टों की खरीद पर खर्च हुआ। यह सब सिंचाई के लिए नहीं, बल्कि केसीआर परिवार के लिए कमीशन बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया था।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस परियोजना से एक एकड़ भूमि को भी पानी नहीं मिला और हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद बीआरएस सरकार ने इसे बीच में ही छोड़ दिया। उन्होंने कहा, केसीआर परिवार ने भू-अधिग्रहण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को छोड़कर केवल पंप सेटों और लिफ्ट घटकों पर ध्यान केंद्रित किया ताकि कमीशन के माध्यम से जनता के पैसे का गबन किया जा सके। रेवंत रेड्डी ने बताया कि पालमुरु के लोगों को उम्मीद थी कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद क्षेत्र की सिंचाई समस्याएं हल हो जाएंगी। यदि पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना को जुराला, भीमा, नेट्टमपाडु, कोइलासागर और कलवाकुर्थी परियोजनाओं के साथ पूरा कर लिया जाता, तो जिले की 26 लाख एकड़ भूमि हरी-भरी हो जाती। उन्होंने खुलासा किया कि पिछली सरकार ने सिंचाई परियोजनाओं के लिए 84,503 करोड़ का कर्ज लिया, जिससे राज्य पर भारी कर्ज का बोझ आ गया। मौजूदा कांग्रेस सरकार को पिछले शासन द्वारा लिए गए ऋणों को चुकाने के लिए महज 30 महीनों में 52,120 करोड़ खर्च करने पड़े हैं, जिससे वास्तविक परियोजना कार्यों के लिए संसाधन सीमित हो गए हैं। ▶8पर

भारत-बांग्लादेश के बीच सीमा विवाद गरमाया बीएसएफ - बीजीबी ने फ्लैग मीटिंग की

ढाका (बांग्लादेश)

बांग्लादेश और भारत के बीच सीमा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। बांग्लादेश ने दावा किया है कि भारत ने चार जून को 28 लोगों को बांग्लादेश की सीमा में धकेलने की कोशिश की। बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कहा कि चापईनावाबगंज के गोमास्तापुर उपजिला के बंगाबाड़ी बार्डर इलाके में भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की इस कोशिश को उसने विफल कर दिया।

प्रोथोम अलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चार हजार किलोमीटर से अधिक लंबी और जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाली इस अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मुस्तैदी बढ़ाते हुए बीजीबी ने कहा है कि किसी भी अवैध घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस विषय पर गुरुवार दोपहर बंगाबाड़ी बार्डर पर बीजीबी और बीएसएफ के बीच औपचारिक बातचीत (फ्लैग मीटिंग) हुई। दोनों पक्षों ने कहा कि इस मुद्दे पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर इसका समाधान निकाला जाएगा। बैठक के बाद बीजीबी की 16वीं बटालियन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद आरिफुल इस्लाम मासूम ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। कमांडर ने बताया कि इससे पहले बुधवार तड़के बीएसएफ के जवानों ने 28 लोगों को बांग्लादेश में धकेलने की कोशिश की थी। बीजीबी के विरोध के कारण यह कोशिश नाकाम रही। इन 28 लोगों में 12 पुरुष, 10 महिलाएं और 6 बच्चे शामिल हैं। वे फिलहाल सीमा पर जीरो लाइन (नो मैन्स लैंड) पर रुके हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन 28 लोगों को किसी भी हाल में बांग्लादेशी सीमा में घुसने नहीं दिया जाएगा।

कमांडर आरिफुल इस्लाम ने बताया कि बंगबाड़ी सीमा के कुछ हिस्से ऐसे हैं, जहां से लोगों को धकेलकर अंदर भेजना अपेक्षाकृत आसान होता है। बीएसएफ के जवान ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमने सीमा पर पहले से ही अपनी चौकसी और सतर्कता बढ़ा दी है। बताया गया है कि इस संवेदनशील मुद्दे पर आठ से 11 जून के बीच नई दिल्ली में दोनों देशों के महानिदेशक स्तर की बैठक होने वाली है। बैठक में सीमा पर तनाव कम करने के मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान जंग रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी हाउस में पास, संसद की मंजूरी बिना सैन्य कार्रवाई पर रोक की मांग

तेल अवीव/तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान रोकने से जुड़ा प्रस्ताव पास कर दिया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कांग्रेस की मंजूरी के बिना सैन्य कार्रवाई जारी नहीं रख सकते। हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स में यह प्रस्ताव 215-208 वोटों से पारित हुआ। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स के साथ वोट देकर ट्रम्प के खिलाफ रुख अपनाया। प्रस्ताव के तहत ट्रम्प को ईरान के खिलाफ आगे की सैन्य कार्रवाई के लिए कांग्रेस से मंजूरी लेनी होगी। मंजूरी नहीं मिलने पर अमेरिकी सैन्य बलों को वापस बुलाने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव अब सीनेट में जाएगा। वहां मंजूरी मिलने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। हालांकि माना जा रहा है कि ट्रम्प इस प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं। इससे पहले ट्रम्प ने एक पाडकास्ट इंटरव्यू में कहा था कि ईरान के खिलाफ कार्रवाई का फैसला उन्होंने खुद लिया था। उन्होंने कहा था, किसी ने मुझे इसके लिए उकसाया या प्रभावित नहीं किया। यह मेरा अपना फैसला था। मतदान को ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के भीतर बढ़ती असहमति के तौर पर देखा जा रहा है। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिका में जनसमर्थन भी सीमित रहा है और बढ़ती ईंधन कीमतों को लेकर चिंता बनी हुई है। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के लोगों को फिर चेतावनी दी इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के लोगों को जहरानी नदी के दक्षिण वाले इलाकों में न जाने की चेतावनी दी है। सेना का कहना है कि क्षेत्र में हिजबुल्लाह के ठिकानों के खिलाफ अभियान अभी जारी है।

पीओके में हड़ताल से निपटने के लिए अतिरिक्त बल तैनात करने का फैसला

मुजफ्फराबाद (पीओके) पाकिस्तान। संघीय सरकार ने पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में नौ जून को ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के विरोध प्रदर्शन (हड़ताल) के आह्वान के मद्देनजर अतिरिक्त सिविल आर्म्ड फोर्स और पुलिस कर्मियों को तैनात करने का फैसला किया गया है। स्थानीय सरकार ने पर्यटकों के लिए चेतावनी भी जारी है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि 1,000 पंजाब रेंजर्स और 2,000 फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के जवानों को पीओके भेजा जाएगा।। इसके अलावा, पीओके में इस्लामाबाद पुलिस के 2,000 अधिकारी और सिंध पुलिस के 1,000 अधिकारी भी तैनात किए जाएंगे। पीओके सरकार ने पर्यटकों के लिए चेतावनी भी जारी की है। पीओके सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे प्रांत में प्रवेश करने से बचें और पांच जून से 20 जून के बीच गैरजरूरी यात्रा न करें। जो लोग पर्यटन या अन्य उद्देश्यों से इस क्षेत्र की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अपनी यात्रा स्थगित करने की सलाह दी गई है।

यूएफओ के पीछे एलियंस वाली बात बकवास, यह सब नानसेंस है, चीनी नास्त्रेदमस ने अमेरिका की यूएफओ फाइल्स पर की डरावनी भविष्यवाणी

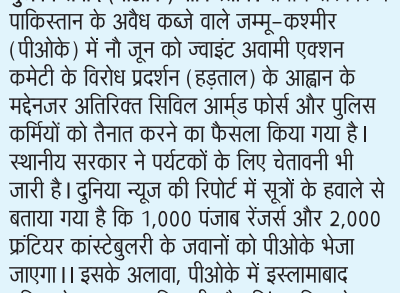

बीजिंग। चीन के नास्त्रेदमस कहे जाने वाले प्रोफेसर जियांग ज्यूकिन ने ट्रंप प्रशासन द्वारा हाल ही में जारी किए गए यूएफओ फाइल्स पर एक डरावनी भविष्यवाणी की है। जियांग ज्यूकिन चीनी-कनाडाई शिक्षक और राजनीतिक विश्लेषक है। पहले भी कई भविष्यवाणियां कर चुके हैं, जिन्हें उनके समर्थक सही बताते हैं। अब उन्होंने यूएफओ को लेकर चेतावनी दी है कि यह सिर्फ एलियंस की बात नहीं, बल्कि समाज में बड़े अत्याचार होंगे और वह टूटेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जियांग को चीन का नास्त्रेदमस इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के 2024 में वापस सत्ता में आने, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष जैसी कई घटनाओं की पहले से भविष्यवाणी की थी। अब उन्होंने ट्रंप सरकार द्वारा यूएफओ/ यूएपी फाइल्स जारी करने पर अपनी राय दी है। मई 2025 से ट्रंप प्रशासन ने पहले गुप्त रखे गए यूएफओ या यूएपी से जुड़े दस्तावेज, वीडियो और फोटो जारी करना शुरू कर दिया है। अब तक दो बड़ी रिलीज हो चुकी हैं। इनमें 46 वीडियो शामिल हैं जिनकी मांग कांग्रेस कर रही थी।

दुनिया भर के टकलों ने लंदन में मनाया खुलकर जश्न

लंदन

लंदन के सोहो इलाके में बीते दिनों गंजे पुरुषों के लिए खास मेला आयोजित किया गया, जिसमें दुनिया भर के देशों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने गंजेपन का खुलकर जश्न मनाया। बीती 14 मई को किए गए इस आयोजन ने दुनिया भर के लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। आमतौर पर बाल झड़ने को लेकर लोग चिंता और तनाव में रहते हैं, लेकिन इस आयोजन में गंजेपन को गर्व, आत्मविश्वास और खुशी के साथ सेलिब्रेट किया गया। यह अनोखा इवेंट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहाँ इसकी तस्वीरें और वीडियो लोगों को चौंका रहे हैं और आकर्षित कर रहे हैं। वायरल तस्वीरों और वीडियो में देखा जा सकता है कि बड़ी संख्या में गंजे पुरुष एक जगह इकट्ठा हुए और उन्होंने जमकर मस्ती की। कोई फ्री बीयर का आनंद लेता नजर आया तो कोई संगीत की धुन पर नाचता दिखा। कई लोग एक-दूसरे से गले मिलते और अपने अनुभव साझा करते दिखाई दिए, जिससे एक अद्भुत समुदाय और अपनेपन का माहौल बन गया।

आयोजकों ने इस कार्यक्रम को बाल्ड प्राइड यानी गंजेपन का गर्व नाम दिया था। आयोजकों का कहना है कि समाज में गंजेपन को अक्सर मजाक या शर्म से जोड़कर देखा जाता है, जबकि इसे सामान्य रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि कई पुरुष बाल झड़ने के कारण आत्मविश्वास खो देते हैं और मानसिक तनाव का सामना करते हैं। इस आयोजन का मकसद यही था कि लोग गंजेपन को कमजोरी नहीं बल्कि अपनी पहचान और स्टाइल के रूप में अपनाएं और इसे लेकर शर्मिंदगी महसूस न करें। कार्यक्रम में शामिल कई लोगों ने अपनी दिलचस्प कहानियां भी साझा कीं।

कुछ प्रतिभागियों ने बताया कि उन्होंने वर्षों तक बाल वापस लाने के लिए तरह-तरह के तेल, दवाइयां और उपचार अपनाए, लेकिन जब कोई फायदा नहीं हुआ तो उन्होंने आखिरकार गंजेपन को स्वीकार कर लिया। अब वे इसे लेकर शर्मिंदगी नहीं बल्कि गर्व महसूस करते हैं और खुलकर जीवन जीते हैं। इस इवेंट का सबसे बड़ा आकर्षण फ्री बीयर रही, जिसने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। लोग बीयर पीते हुए हंसते-मुस्कुराते और एक-दूसरे के साथ तस्वीरें खिंचवाते नजर आए। कुछ प्रतिभागियों ने तो अपने गंजे सिर पर खास पालिश भी करवाई, जिससे उनका सिर और ज्यादा चमकता दिखाई दे रहा था। पूरे आयोजन का माहौल बेहद हल्का-फुल्का और मनोरंजक रहा, जहाँ हर कोई अपनी पहचान को सेलिब्रेट कर रहा था। इस मेले में केवल ब्रिटेन ही नहीं, बल्कि अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया, जर्मनी और भारत समेत कई देशों से लोग पहुंचे थे। भारतीय मूल के एक प्रतिभागी ने कहा कि भारत में गंजेपन को लेकर अक्सर मजाक बनाया जाता है, लेकिन इस आयोजन में शामिल होकर उन्हें महसूस हुआ कि वे अकेले नहीं हैं और यहाँ हर कोई उन्हें स्वीकार करता है।

सोशल मीडिया पर इस आयोजन की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रही हैं। लोग मजेदार प्रतिक्रियाएं देते हुए इसे टकलों का वर्ल्ड कप और सबसे चमकदार पार्टी जैसे नाम दे रहे हैं। कई यूजर्स इसे बाडी पाजिटिविटी मूवमेंट का हिस्सा भी बता रहे हैं, जो शरीर के हर रूप को स्वीकार करने की वकालत करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पुरुषों में गंजापन मुख्य रूप से जेनेटिक और हार्मोनल कारणों से होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि डीएचटी हार्मोन बालों की जड़ों को कमजोर कर देता है, जिसके कारण उम्र बढ़ने के साथ बाल झड़ने लगते हैं। दुनिया भर में लगभग 50 प्रतिशत पुरुष 50 साल की उम्र तक किसी न किसी स्तर पर गंजेपन का सामना करते हैं।

अमेरिकी संसद ने राष्ट्रपति ट्रंप के अधिकार किए सीमित

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जहां एक तरफ इजरायल और लेबनान के बीच सीजफायर कराने में कूटनीतिक रूप से कामयाब रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ईरान युद्ध के मुद्दे पर वे अपने ही देश में राजनीतिक रूप से घिर गए हैं। अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा (हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने राष्ट्रपति की ईरान से जुड़ी युद्ध शक्तियों को सीमित करने वाला एक बड़ा प्रस्ताव पास कर दिया है। इसे राष्ट्रपति ट्रंप के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। इस वोटिंग की सबसे दिलचस्प और हैरान करने वाली बात यह रही कि ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के चार सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर विपक्ष का साथ दिया और इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। सदन में इस प्रस्ताव के पक्ष में 215 और विरोध में 208 वोट पड़े। रिपब्लिकन सांसद थामस मैसी, ब्रायन फिट्जपैट्रिक, टाम बैरेट और वारेन डेविडसन ने अपनी ही सरकार के खिलाफ जाते हुए डेमोक्रेट्स के सुर में सुर मिलाया। विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद ग्रेगरी मीक्स द्वारा पेश किए गए इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य ईरान के खिलाफ किसी भी संभावित सैन्य कार्रवाई में राष्ट्रपति के स्वतंत्र अधिकारों और शक्तियों पर अंकुश लगाना है।

पिछले कई हफ्तों से डेमोक्रेट्स सांसद ट्रंप के युद्ध संबंधी विशेषाधिकारों को लगातार चुनौती दे रहे थे, जिसमें अंततः कुछ रिपब्लिकन सांसदों का भी समर्थन मिल गया। हालांकि, यह प्रस्ताव सीधे तौर पर कानून का रूप नहीं लेगा, क्योंकि अमेरिकी संसदीय नियमों के अनुसार यह एक कंकरेन्ट रिजाल्यूशन (समवर्ती प्रस्ताव) है, जिसके लिए राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं होती। इसके बावजूद, इसे ट्रंप की आक्रामक नीतियों के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस की गंभीर नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है। इसके कानूनी प्रभाव को लेकर विशेषज्ञों में मतभेद हैं; कुछ इसे बाध्यकारी मान रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि इसका केवल प्रतीकात्मक महत्व है। इस बीच, ईरान के साथ जारी संघर्ष के चौथे महीने में प्रवेश करने के बाद से अमेरिका के भीतर इस युद्ध की समयसीमा को लेकर बेचैनी और सवाल बढ़ने लगे हैं। अमेरिकी संविधान और वार पावर एक्ट के प्रावधानों के तहत राष्ट्रपति संसद की पूर्व मंजूरी के बिना 60 दिनों से अधिक समय तक अमेरिकी सेना को किसी भी सक्रिय विदेशी युद्ध में तैनात नहीं रख सकते। दूसरी ओर, हाउस स्पीकर माइक जानसन ने इस प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप का बचाव किया है।

न्यूजीलैंड के 4 सांसदों को चीन ने बैन किया

बीजिंग। चीन ने ताइवान का दौरा करने वाले न्यूजीलैंड के चार सांसदों के चीन, हांगकांग और मकाऊ में प्रवेश पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही बीजिंग ने संकेत दिया है कि यदि सांसद अपने ताइवान दौरे के लिए माफी मांगते हैं तो इस प्रतिबंध को हटाया जा सकता है। न्यूजीलैंड संसद सेवा द्वारा सांसदों को भेजे गए ईमेल में बताया गया कि चीन के दूतावास ने यह संदेश पहुंचाया है। प्रतिबंध उन चार सांसदों पर लगाया गया है जिन्होंने मई में ताइवान की राजधानी ताइपे का संसदीय दौरा किया था। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स के कार्यालय ने कहा कि ऐसे दौरे वर्षों से होते रहे हैं और यह देश की वन चाइना नीति के अनुरूप हैं। न्यूजीलैंड बीजिंग को चीन की वैध सरकार के रूप में मान्यता देता है, लेकिन ताइवान के साथ अनौपचारिक संबंध भी बनाए रखता है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने प्रतिबंध की पुष्टि करते हुए कहा कि ताइवान मुद्दे पर चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ताइवान से जुड़े मामलों में रेड लाइन पार करने वालों को इसकी कीमत चुकानी होगी।

डाकिये की तीन बार रुकी दिल की धडकन, फिर भी है जिंदा

लंदन

यूनाइटेड किंगडम में रायल मेल में काम करने वाले डाक कर्मचारी कार्ल लाकवुड का दिल एक नहीं बल्कि तीन बार धड़कना बंद हो गया था। मेडिकल रिकार्ड्स के अनुसार, वे तकनीकी रूप से तीन बार मौत के मुंह में जा चुके थे, लेकिन डाक्टरों ने हर बार उन्हें वापस जिंदगी दे दी। अब कार्ल पूरी तरह स्वस्थ हैं और दोबारा काम पर लौट चुके हैं। यह घटना साल 2019 की है, जब कार्ल अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। अचानक उन्हें भयंकर कार्डियक अरेस्ट आया और वे वहीं बेहोश होकर गिर पड़े। अस्पताल पहुंचने तक उनका दिल तीन बार पूरी तरह रुक चुका था, जिससे उनकी जान जाने का खतरा बेहद बढ़ गया था। डाक्टरों ने लगातार सीपीआर और बिजली के झटकों की मदद से उनके दिल को दोबारा चालू किया, जो किसी चमत्कार से कम नहीं था। इस पूरी घटना ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि डाक्टरों को भी हैरान कर दिया, क्योंकि ऐसे मामलों में जीवित बचने की संभावना बेहद कम होती है। कार्ल कोई बीमार या कमजोर व्यक्ति नहीं थे। वे बेहद फिट और सक्रिय जीवनशैली जीते थे। डाकिया होने के कारण वे रोजाना लंबी दूरी पैदल चलते थे, नियमित व्यायाम करते थे और उन्हें पहाड़ों पर ट्रैकिंग तथा अल्ट्रा रनिंग का शौक था।

हालांकि उन्हें पहले से एट्रियल फिब्रिलेशन नाम की दिल की बीमारी थी, जिसमें दिल की धड़कन सामान्य ताल में नहीं चलती। इसके बावजूद वे नियमित दवाइयां ले रहे थे और सामान्य जीवन बिता रहे थे, इसलिए उन्हें कभी ऐसे हादसे का अंदाजा नहीं था। कार्ल ने बताया कि उन्हें कभी अंदाजा नहीं था कि उनके साथ ऐसा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा खुद को फिट मानते थे, इसलिए दिल का दौरा पड़ना उनके लिए भी बड़ा झटका था। कार्ल के मुताबिक, अगर उस दिन उनके सहकर्मी ने तुरंत उन्हें गिरते हुए नहीं देखा होता और प्राथमिक उपचार नहीं दिया होता, तो शायद उनकी जान नहीं बच पाती। कार्ल के दोस्त ने एम्बुलेंस पहुंचने तक लगातार उनकी छाती दबाकर सीपीआर दिया। इसी वजह से शरीर में रक्त संचार बना रहा और उनके दिमाग को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा।

डाक्टरों का कहना है कि सही समय पर दिया गया सीपीआर कई बार मौत और जिंदगी के बीच सबसे बड़ा अंतर साबित होता है, खासकर कार्डियक अरेस्ट के मामलों में। स्वस्थ होने के बाद कार्ल ने अपनी जिंदगी में कई बदलाव किए हैं। अब वे पहले की तरह पैदल डाक बांटने के बजाय रायल मेल की वैन चलाकर पार्सल डिलीवर करते हैं।

बांग्लादेश में अवामी लीग की नेता सेलीना हयात को देररात जेल से रिहा किया गया

ढाका (बांग्लादेश)

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की दिग्गज नेता और नारायणगंज सिटी कारपोरेशन की पूर्व मेयर सेलीना हयात आइवी को जेल से जमानत पर रिहा कर दिया गया। पिछले साल सितंबर में गिरफ्तार हुईं सेलीना की रिहाई पूर्व स्पीकर शिरीन शार्मिन चौधरी के बाद अवामी लीग के किसी बड़े नेता को मिली दूसरी बड़ी राहत है।

प्रोथोम अलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सेलीना हयात को एक साल से ज्यादा समय तक जेल में रहना पड़ा। उन्हें बुधवार रात लगभग 10:15 बजे गाजीपुर की काशिमपुर सेंट्रल महिला जेल से रिहा किया गया। रात करीब 12:30 बजे वह नारायणगंज के देवभोग इलाके में स्थित अपने घर पहुंचीं। उनकी रिहाई की खबर मिलने के बाद रात 11:00 बजे से ही उनके घर के बाहर रिश्तेदार, समर्थक और शुभचिंतक जुटने लगे। लंबे समय तक जेल में बंद रहने के बाद उनकी वापसी पर

लोगों ने राहत की सांस ली।

सेलीना ने घर पहुंचने पर सबसे पहले देश की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, मैं न्यायपालिका की बहुत आभारी हूं और सरकार को भी धन्यवाद देती हूं। मुझे उम्मीद है कि एक ऐसी मानवीय सरकार बनेगी जो सभी को साथ लेकर चलेगी। जेल में मेरे जैसी कई महिलाएं हैं जो बेगुनाह हैं। मुझे उम्मीद है कि सरकार उनके प्रति भी सहानुभूति दिखाएगी। पुलिस ने सेलीना आइवी को पिछले साल नौ मई की तड़के नारायणगंज स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन पर कुल 12 मामले दिखाए गए। इनमें 2024 के भेदभाव-विरोधी आंदोलन से जुड़े हत्या के तीन मामले और हत्या के प्रयास के दो मामले शामिल थे। हालांकि उन्हें कई मामलों में कई बार जमानत मिल गई थी, लेकिन नए दर्ज मामलों में उन्हें बार-बार गिरफ्तार दिखाया जाता रहा।

उच्च न्यायालय ने पिछले माह 30 अप्रैल को उन्हें सिद्धिरगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के दो मामलों में अंतरिम जमानत दी थी। उस फैसले से उनकी रिहाई का रास्ता साफ हुआ। बुधवार रात रिहाई के समय उनके वकील और परिवार के सदस्य जेल गेट पर पहुंचे और उनके बाहर निकलते ही सभी भावुक हो गए। सेलीना 2003 से 2011 तक नारायणगंज की मेयर रही हैं। 2011 के चुनाव में आइवी ने अवामी लीग के प्रभावशाली और बागी नेता शमीम उस्मान को 1,00,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया था।

अपने पूरे राजनीतिक करियर के दौरान उन्होंने नारायणगंज में आतंकवाद और आपराधिक हिंसा के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई। आइवी के घर पहुंचने पर रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। शोन्त्राश निर्मूल टोकी मंच के संयोजक रफिउर रब्बी, नारायणगंज प्रेस क्लब के अध्यक्ष अबू सईद मसूद, वकील जियाउल इस्लाम और शाहीन महमूद ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। कोई पौधा लगाएँ। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ड,छ,के,को,ह

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। अगर आज आप किसी को सलाह देते हैं, तो ख़ुद लेने के लिए भी तैयार रहें। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर जाते समय ज़िंदगी को पूरी शिद्दत से जिएँ। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अपने क़रीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। कोई पौधा लगाएँ। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो अनुभवी हों। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। नये यार-दोस्त आज का दिन ख़ास बनाएंगे। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम-काज पर भी पड़ सकता है ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। जितना आपने सोचा है, आपके दोस्त उससे ज़्यादा मददगार साबित होंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके माता पिता आपकी फिज़ूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से यह थोड़ा मुश्किल वक़्त है।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 जून 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 02:44 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रातः 06:04 तक
योग : ऐन्द्र प्रातः 10:03 तक
करण : गर दोपहर 02:07 तक
चन्द्रराशि : मकर रात्रि 07:04 तक
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक रात्रि 07:04 से , अधिक मास चालू है , भद्रा रात्रि 02:42 से

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एनआईआईएमएच में विश्व पर्यावरण दिवस पर वॉकथॉन

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद द्वार विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल जीवन शैली के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक भव्य वॉकथॉन (जागरूकता मार्च) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह संपूर्ण आयोजन संस्थान के सहायक निदेशक (प्रभारी) डॉ. जी. पी. प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में संपन्न हुआ। वॉकथॉन की शुरुआत आज शाम 4:30 बजे संस्थान परिसर के मुख्य द्वार से हुई। इस मार्च में संस्थान के सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। हाथों में पर्यावरण संरक्षण, स्थिरता और हरित भविष्य के संदेश वाले बैनर और तख्तियां लिए एवं उद्घोष करते हुए एनआईआईएमएच के दल ने आसपास के विभिन्न रिहायशी इलाकों और कॉलोनियों का भ्रमण किया। वॉकथॉन के माध्यम से टीम ने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एवं टीबी मुक्त भारत अभियान में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी दर्ज करने की अपील की। इस दौरान संस्थान के दल ने स्थानीय निवासियों से बातचीत कर उन्हें पेड़ लगाने, प्लास्टिक का उपयोग न करने, प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर रहने तथा नियमित योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों ने संदेश देते हुए कहा कि पृथ्वी और पर्यावरण का स्वास्थ्य सीधे तौर पर मानव स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में भी प्रकृति और मानव के इसी अटूट संबंध को रेखांकित किया गया है। आज के समय में पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का परम कर्तव्य है।

इस जागरूकता अभियान में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों डॉ. गोविंद रेड्डी, डॉ. वी. श्रीदेवी, डॉ. साकेत राम, डॉ. अशफाक अहमद, डॉ. संतोष माने, एवं डॉ. बिस्व रंजन दास सहित सभी स्टाफ ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करायी।

एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन हैदराबाद की महिला समिति द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन, प्रभाग-9 की महिला समिति द्वारा पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सिकंदराबाद स्थित हनुमान मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती वंदना राठी एवं सचिव श्रीमती शोभना भट्टड़ द्वारा जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सखी संगम की सदस्याओं ने अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। इस अवसर पर लगभग 70 महिलाओं ने सहभागिता कर भगवान श्रीराम एवं हनुमानजी की आराधना की।

संपूर्ण मंदिर परिसर श्रीराम एवं हनुमानजी के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। संगीतमय सुंदरकांड पाठ के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर रहे। पाठ के समापन पर सामूहिक आरती का आयोजन किया गया तथा सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया।

धार्मिक आयोजन के साथ-साथ सेवा एवं पर-ोपकार की भावना को भी विशेष महत्व दिया गया। महिला समिति की ओर से मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को शीतल शरबत का वितरण किया गया। भीषण गर्मी के बीच इस सेवा कार्य की उपस्थित लोगों ने मुक्तकंठ से सराहना की।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सखी संगम की सभी सदस्याओं का विशेष योगदान रहा। उपस्थित महिलाओं ने ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को समाज में संस्कार, सेवा, संगठन एवं सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने वाला बताया। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनकल्याणकारी एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया।

माँ के नाम एक पेड़ अभियान के तहत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया व्यापक पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थानों में लगाए गए पौधे

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना द्वारा माँ के नाम एक पेड़ अभियान के अंतर्गत अफजलगंज गुरुद्वारा के निकट स्थित गुरु हरकृष्ण हाई स्कूल, आगापुरा स्थित दिगंबर जैन मंदिर तथा श्री कुशल दादावाड़ी जैन मंदिर सहित विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

मीडिया कन्वीनर मुकेश जैन चौहान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह अभियान भाजपा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा के निर्देशन में तथा भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष श्री रामचंद्रराव, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखरजी एवं अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी मुगा जयश्री के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने किया।

इस अवसर पर सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा एवं संरक्षण करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं हरित भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अभियान का उद्देश्य स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में योगदान देना तथा समाज में पारिस्थितिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम संयोजक एवं मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाली विभिन्न धार्मिक संस्थाओं एवं उनकी प्रबंधन समितियों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने मोर्चा के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के योगदान

की भी सराहना की, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर हरप्रीत सिंह गुलाटी ने उपस्थित जनों से सेवा, पर्यावरण जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ निरंतर कार्य करने का आह्वान किया तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महामंत्री रजनीश जैन, हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सुराणा, शाहजहाँन, समी खान, करीमनगर पार्षद बलबीर सिंह, मोना सिंह, सचिव मोहम्मद गजनी, कार्यक्रम सहसंयोजक मनमोहन सिंह एडवोकेट, सतीश हुंडिया, जुली बेनाला, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह टूटेजा, मीडिया कन्वीनर मुकेश जैन चौहान, आईटी संयोजक रीदा कोद्दोस, सह-संयोजिका चंदना जैन एडवोकेट, टूर मॉनिटरिंग संयोजक अवाइस मिर्जा, सह-संयोजिका सविता रायसोनी, कार्यालय सचिव सुमित सिंह माखीजा, सह-सचिव निकेत फातिमा, कार्यकारिणी सदस्य सतपाल सिंह, महेंद्र जैन कटारिया, सरदार गुरदीप सिंह, सतीश जैन, साहेब सिंह सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त दिगंबर जैन संस्था, आगापुरा के महामंत्री विनोद बज, कोषाध्यक्ष सुमित कासलीवाल, सुनील पहाड़े, प्रमोद पहाड़े, अनिल बाकलीवाल तथा श्री कुशल दादावाड़ी जैन मंदिर से किशोर संचेटी, पदम कोठारी, अतिश श्रीश्रीमाल, गजेंद्र सोमपुरा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भी सहभागिता की।

महामंत्री रजनीश जैन ने जानकारी दी कि अभियान के तहत 6 जून को बोलारम क्षेत्र में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं पर्यावरण प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष वृक्षारोपण अभियान एक पेड़ मां के नाम का आयोजन भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय, नामपल्ली के समीप किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन-जन तक पहुंचाना रहा। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिकाधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा, तेलंगाना के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय घनते, भाजपा तेलंगाना की प्रदेश उपाध्यक्ष विजय लक्ष्मी, भाजपा के वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र यादव, भाजपा गनफाउंड्री डिवीजन के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार तुलशन, अनंत लक्ष्मी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हशमत गूंज में माँ के नाम एक पेड़ वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत भाजपा स्टेट एग्जीक्यूटिव सदस्य गोविंद नारायण राठी, सुमित राठी, मनोज जायसवाल, कार्तिक मणिकांत एवं नरसिम्हा ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क परिसर में नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा कार्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरण का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण दिवस मना रहा है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण पर्यावरण के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया एवं चेतना अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

एट्टोंडा में नए विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन

बांसवाड़ा, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पब्लिक गवर्नेंस-प्रोग्रेस प्लान की 99-दिवसीय गतिविधियों के अंतर्गत तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी तथा स्टेट एग्रोस के चेयरमैन श्री कसुला बलाराजू ने कोटागिरी मंडल के एट्टोंडा कैंप में नव निर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। नए विद्युत उपकेंद्र के शुरू होने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

विद्युत उपकेंद्र के उद्घाटन के पश्चात विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने एट्टोंडा गांव में नव निर्मित इंदिरम्मा आवासों का उद्घाटन किया।

समृद्धिदात्री मां श्री लक्ष्मी

मां लक्ष्मी भौतिक और आंतरिक सुखों को देने वाली देवी हैं। उनकी कृपा होने पर किसी प्रकार का कष्ट शेष नहीं रहता...

लक्ष्मी विष्णु भगवान की माया हैं तथा सदैव उनके चरणों में ही विराजती हैं। बिना विष्णु भगवान के लक्ष्मी का वास नहीं हो सकता। अतः लक्ष्मी जी का पूजन सदैव विष्णु के साथ ही करना चाहिए।

मां लक्ष्मी के एक मुख व चार हाथ है। वह एक लक्ष्य और चार प्रकृतियों (दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प, श्रमशीलता एवं व्यवस्था शक्ति) की प्रतीक हैं।

लक्ष्मी माता जहां भौतिक सम्पत्ति प्रदान करने वाली देवी हैं, वहीं आंतरिक सम्पत्ति जैसे सौहार्द, उत्साह, प्रेम, करुणा, रसिकता और सौन्दर्य की भी अधिष्ठात्री देवी हैं। देवताओं और असुरों ने जब सागर मंथन किया, तो चौदह रत्नों में से एक लक्ष्मी भी प्राप्त हुईं। उनके अनुपम गुणों, सौन्दर्य और कान्ति के कारण सुरासुर सभी लक्ष्मी जी पर मोहित हो गए। उन्होंने लक्ष्मी को विविध प्रकार की भेंट दीं। परंतु लक्ष्मी ने सर्वगुण संपन्न विष्णु का वरण किया। अतः वह हरिप्रिया, विष्णुप्रिया, श्री, इंदिरा आदि नामों से प्रसिद्ध हुईं। उमा, राधा और तुलसी के रूप में भी लक्ष्मी के अवतार क्रमशः शिव, कृष्ण और शालिग्राम की अर्धांगिनी के रूप में हुए। लक्ष्मी परमतत्व परमात्मा की एक विलक्षण शक्ति हैं। परमात्मा की सत, रज और तम रूपा तीन शक्तियां क्रमशः सरस्वती, महालक्ष्मी और महाकाली के रूपों में हैं। महालक्ष्मी प्रवर्तक शक्ति है। अतः प्राणियों में आकर्षण, लोभ और आसक्ति उत्पन्न करती हैं।

महालक्ष्मी का स्वरूप

महालक्ष्मी कंचनवर्ण, अतिसुंदरी और अक्षत भग (चिरयौवना) हैं। लक्ष्मी जी को प्रतिमाओं में भी द्विभुजी और चर्तुभुजी स्वरूप में दिखाया गया है। द्विभुजा लक्ष्मी के हाथों में शंख, पद्म तथा चतुर्भुजा लक्ष्मी के हाथों में शंख, पदम, घट और बिल्वफल रहते हैं, जो क्रमशः जयघोष, पदम सौंदर्य अनासक्ति का, घट आनन्द का तथा बिल्वफल भोग का प्रतीक माना गया है। लक्ष्मी जी कमल के पुष्प पर बैठती हैं, जो कोमलता व सुंदरता का प्रतीक है। इनके वाहन गरुड़ तथा उलूक हैं। सम्पूर्ण जगत लक्ष्मी जी द्वारा ही चलायमान है। जिन पर लक्ष्मी माता की कृपा होती है, वह दरिद्र, दुर्बल, असंतुष्ट नहीं रहता। लक्ष्मी को स्वच्छता व सुव्यवस्था प्रिय है। अपवित्र स्थानों पर लक्ष्मी कदापि वास नहीं करतीं। लक्ष्मी के एक मुख व चार हाथ हैं। वह एक लक्ष्य और चार प्रकृतियों (दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प, श्रमशीलता एवं व्यवस्था शक्ति) की प्रतीक हैं। वाहन उलूक निर्भीकता एवं रात्रि में भी देखने की क्षमता का प्रतीक है। लक्ष्मी का जल अभिषेक करने वाले गजराजों को परिश्रम और मनोयोग कहते हैं। उनका लक्ष्मी के साथ अविच्छिन्न संबंध है। यह युग्म जहां भी रहेगा, वहां वैभव की कमी नहीं रहेगी।

लक्ष्मी-इन्द्र-कुबेर-योग

लक्ष्मी जी चंचल रूपा हैं। एक स्थान पर ज्यादा समय तक नहीं टिकतीं। ज्योतिष के अनुसार, इनके स्थिर वास के लिए लक्ष्मी-इंद्र-कुबेर योग में इनकी आराधना करनी चाहिए। कोई भी महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न करवाने के लिए यह शुभ समय माना जाता है। लक्ष्मी-इन्द्र-कुबेर-योग कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को बनता है।

कैसे करें मां को प्रसन्न

- 卐 लक्ष्मी समुद्र से उत्पन्न हैं। समुद्र से उत्पन्न दक्षिणावर्ती शंख, मोती शंख, कुबेर पात्र, गोमती चक्र आदि उनके भाई-बंधुओं का लक्ष्मी पूजन के साथ पूजन करने से वह अति प्रसन्न होकर साधक पर कृपा करती हैं।
- 卐 लक्ष्मी पूजन के पश्चात अन्य देवताओं की भांति इनकी आरती उतारने की बजाय श्रीसूक्त अथवा लक्ष्मी सूक्त का जाप करके अपने घर में स्थिर रूप में वास करने की प्रार्थना करें।
- 卐 सदाचार का पालन करें तथा मन में उदारता बनाए रखें। दुराचारी के यहां लक्ष्मी का वास ज़्यादा देर तक नहीं होता। सदाचार का त्याग करने के कारण ही पाताल के राजा बलि के घर से लक्ष्मी स्वर्ग लोक को प्रस्थान कर गई थीं।
- 卐 लक्ष्मी के स्थिर वास के लिए अपने ऑफिस में लाल कपड़े में हल्दी की एक गांठ, तांबे का एक सिक्का, सफेद सरसों, एक मुट्ठी चावल बांधकर किसी दीवार पर टांग दें। इससे कारोबार में वृद्धि होती है। कारोबारी मुश्किलों का समाधान होता है।
- 卐 लक्ष्मी पूजन करने से पहले शंख बजाएं। पूजन के पश्चात शंख में रखा जल सारे घर में छिड़क दें। थोड़ा चरणामृत भी लें। शंख बजाने से घर में सकारात्मक उर्जा प्रवाहित होती है। इससे रोग, शोक घर से दूर जाते हैं।
- 卐 लक्ष्मी विष्णु भगवान की माया हैं तथा सदैव उनके चरणों में ही विराजती हैं। बिना विष्णु भगवान के लक्ष्मी का वास नहीं हो सकता। अतः लक्ष्मी जी का पूजन सदैव विष्णु के साथ ही करना चाहिए।
- 卐 लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ नित्य करने से घर में लक्ष्मी व सुख सम्पदा का आगमन होता है। लक्ष्मी पूजन के दौरान खुशबूदार पदार्थों का प्रयोग करें तथा लाल पुष्प अर्पित करें।

श्रीयंत्र की पूजा क्यों करते है?

वेदों के अनुसार श्रीयंत्र में तैंतीस करोड़ देवताओं का वास होता है। कलियुग में श्रीयंत्र को कामधेनु के समान माना गया है। इसके मंत्रसिद्ध होने पर सभी प्रकार की श्री अर्थात चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति होती है। इस यंत्र में वास्तुदोष निवारण की अद्‌भुत क्षमता है। इसमें ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास का भी प्रदर्शन है।

सर्वप्रथम गणेश पूजन क्यों?

गणेशजी को विघ्नहर्ता और रिद्धि-सिद्धि का स्वामी माना गया है। इनके स्मरण, ध्यान, जप और पूजन से समस्त कामनाओं की पूर्ति होती है। ये बुद्धि के अधिष्ठाता, साक्षात प्रणव स्वरूप और शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता हैं। यही कारण है कि शुभ कार्यों में सर्वप्रथम गणेशजी का पूजन किया जाता है। इसी आधार पर भारतीय समाज में एक उक्ति भी प्रचलित हो गई। जब किसी कार्य को आरंभ किया जाता है तो प्रायः कहा जाता है कि 'कार्य का श्रीगणेश हो गया है।' किसी भी शुभ कार्य को शुरू करते समय 'श्री गणेशाय नमः' का उच्चारण करते हुए निम्न मंत्र का उच्चारण किया जाता है- **वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा।**

कब चमकेंगे सफलता के सितारे

कई बार जीवन में अवसर आते है, चाँस मिलता है मगर बेस्ट परफार्म करने के बाद भी या तो वह मौका हाथ से निकल जाता है या फिर उस कार्य में तकलीफें ही आती-जाती है। ऐसी स्थिति बार-बार उत्पन्न होने पर किसी का भी डिप्रैस होना स्वाभाविक है और युवा जिनके लिए जीवन का एक-एक क्षण कीमती होता है, इस डिफिट के चलते नेगेटिव सोच के शिकार होकर डिप्रेशन के अंधेरे में चले जाते हैं।

आइए देखें, ग्रहों की इसमें क्या भूमिका है।

जब कुंडली में कहीं भी शनि-मंगल, राहु-मंगल, राहु-शनि, शनि-केतु जैसी युति-प्रतियुति हो तो ये जीवन में अनसर्टेनिटी का निर्माण कर देती है। आपके फोकस को कम करती है और कई बार गलत डिसीजन के चलते अच्छे-खासे मौके हाथ से फिसल जाते हैं।

इसके अलावा यदि लग्न का स्वामी ग्रह और चंद्रमा भी कमजोर हो, अस्त हो, शत्रु क्षेत्री हो तो स्थिति विकट हो जाती है। क्या करें : यदि कुंडली में ऐसे कुयोग है तो सबसे पहले स्वभाव में, वाणी में नम्रता व लचीलापन लाएँ। स्वयं को बेहिसाब संघर्ष के लिए तैयार रखें। खूब मेहनत और व्यायाम करने की आदल डालें। बड़ों का व स्त्री का भूल कर भी अपमान न करें। गुरु की शरण में रहें।

इनके अलावा इस कुयोग के उपाय यानि ग्रह-शांति, जप, दान करें। मुख्य ग्रह यानी लग्न के स्वामी और चंद्रमा की मजबूती के उपाय करें। फिर धैर्य के साथ आगे बढ़ते जाएँ।

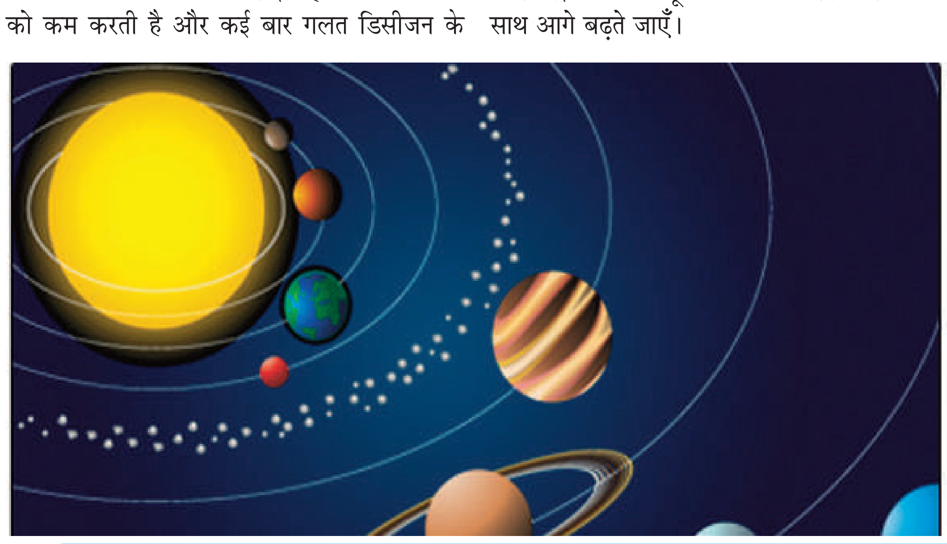

जन्म नक्षत्र से जानिए कैसे हैं आप

धनवान तथा भाग्यवान होते हैं अश्विनी नक्षत्र वाले आकाश मंडल में तारों के समूह को नक्षत्र कहते हैं। हम देखते हैं कि तारों के समूह से कहीं अश्व, कहीं शकट, सर्प आदि के आकार बन जाते हैं। ये आकृतियां ही नक्षत्र हैं।

जिस प्रकार लोक व्यवहार में एक स्थान से दूसरे स्थान की दूरी मील, कोस या किलोमीटर में नापी जाती है। उसी प्रकार आकाश मंडल की दूसरी नक्षत्रों से ज्ञात की जाती है।

ज्योतिष शास्त्र में समस्त आकाश मंडल को 27 भागों में विभक्त कर प्रत्येक भाग का नाम एक-एक नक्षत्र रखा गया है।

सूक्ष्मता से समझाने के लिए प्रत्येक नक्षत्र के चार भाग किए गए हैं जो चरण कहलाते हैं। अभिजित को 28वां नक्षत्र माना गया है और इसका स्वामी ब्रह्मा को कहा गया है।

ज्योर्तिविदों का अभिमत है कि उत्तराषाढ़ा की अंतिम 15 घड़ीयां और श्रावण के प्रारंभ की चार घड़ीयां, इस प्रकार 19 घड़ीयों के मान वाला अभिजित नक्षत्र होता है। यह समस्त कार्यों में शुभ माना गया है।

आइए जानते हैं कैसे होते हैं अश्विनी नक्षत्र वाले :

शास्त्रों के अनुसार अश्विनी नक्षत्र में जन्म होने से मनुष्य सुंदर स्वरूप, स्थूल शरीर, अति बुद्धिमान, अति प्रज्ञा वाला, नम्रता सहित, सत्ययुक्त, सेवाभावी, कार्यों में पटु, सर्वजन प्रिय, धनवान तथा भाग्यवान होता है। यह संपूर्ण प्रकार की संपत्तियों को प्राप्त करने वाला, स्त्री और आभूषण तथा पुत्रादिर से संतोष प्राप्त करता है।

अश्विनी नक्षत्र में जन्म होने से जातक ईश्वर भक्त, चतुर, बुद्धिमानीपूर्ण कार्यों में प्रतिष्ठित, साम्यवादी, आभूषण एवं रत्नों का प्रेमी, जायदाद संबंधी मामलों से चिंताग्रस्त, क्रोधी, बड़े भाई न हों या भाई रोगग्रस्त हों, नेतृत्व प्रधान कार्यों में अभिरूचि, ज्योतिष, वैद्य, शास्त्रों में रुचि रखने वाले, भ्रमणप्रिय, चंचल प्रकृति तथा महत्वाकांक्षी विचारों के होते हैं।

इस नक्षत्र में जन्म होने पर जन्म राशि मेष तथा राशि स्वामी मंगल होगा। अवकहड़ा चक्र के अनुसार जातक का वर्ण क्षत्रिय, वश्य चतुष्पद, योनि अश्व, महावैर योनि महिष, गण देव तथा नाड़ी आदि है।

सातवें भाव में छुपा है जीवनसाथी का राज

किसी भी कन्या कीकुंडली के सातवें भाव से उसके होने वाले जीवनसाथी का विचार किया जा सकता है। युवतियों में अक्सर यह जिज्ञासा रहती है कि उनकी शादी कैसे होगी, उनका पति कैसा होगा और उसके साथ उनका तालमेल कैसा रहेगा? यहां पेश है कुछ मूलभूत जानकारी कुंडली के सातवें भाव (जीवनसाथी भाव) के बारे में:

- सप्तम भाव का स्वामी राहु से पीड़ति हो तो उसका पति व्यसनी होगा।
- सप्तमेश लग्न में हो तो ऐसी कन्या स्वविवेक से विवाह करती है।
- सप्तम भाव का स्वामी नीच का होकर बैठ जाए तो उसे अपने पति से लाभ की गुंजाइश नहीं रहेगी।
- सप्तम भाव का स्वामी दशम भाव में उच्च का हो तो ऐसी कन्या का भावी जीवनसाथी व्यापारी या राजनीतिज्ञ भी हो सकता है, लेकिन मोटे शरीर वाला होगा।
- सप्तम भाव में सूर्य, बुध, शुक्र हो तो ऐसी कन्या का पति किसी भी योग्य न होगा।
- सप्तमेश अष्टम भाव में हो तो विवाह देर से होगा व पति का सामान्य रंग-रूप का परिश्रमी होगा।
- सप्तमेश षष्ट भाव में हो तो ऐसी कन्या का विवाह देरी से होगा व अनेक बाधाएं आ सकती है।
- सप्तमेश, पंचमेश व लग्नेश की युति हो तो वह कन्या प्रेम विवाह करेगी।
- सप्तमेश शनि चंद्र युति हो तो विवाह बहुत उम्र में होगा या विवाह नहीं भी हो सकता है।
- सप्तमेश केतु मंगल के साथ हो तो संबंध विच्छेद होने की आशंका अधिक रहेगी।
- सप्तम भाव को शनि देखे व मंगल भी हो तो उसका वर ठीक नहीं होगा। विवाह होने के बाद तनाव रहेगा।

उपरोक्तानुसार जन्म कुंडली में ग्रह हो तो फल उसी प्रकार मिलेंगे। ग्रहों का मार्गी उदय होना उत्तम फलदायी रहेगा। वहीं अशुभ ग्रहों की युति वक्री हो तो फल में न्यूनाधिक फल होगा। इस प्रकार हम जान सकते हैं कि वर कैसा होगा।

ऐसे डिवाइस का इस्तेमाल खतरनाक

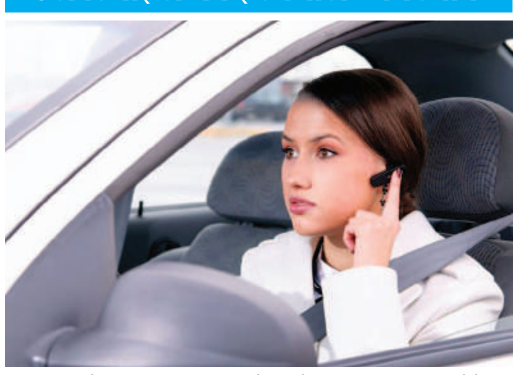

इन दिनों तकनीक की मदद से हमारे कई काम आसान होते जा रहे हैं। लेकिन, कई बार तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हमारे लिए खतरनाक भी साबित हो जाता है। एक नए अध्ययन के मुताबिक, ड्राइविंग के वक्त हैंड्स-फ्री डिवाइस का इस्तेमाल भी काफी खतरनाक हो सकता है। आमतौर पर ड्राइविंग के वक्त मोबाइल फोन पर बात करने के लिए कई लोग हैंड्स-फ्री का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन, इस अध्ययन में कहा गया है कि हैंड्स-फ्री डिवाइस के इस्तेमाल से भी ड्राइवर का ध्यान भंग हो सकता है। भारत में भी ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन पर बातचीत करना गैरकानूनी है लेकिन, ज्यादातर लोग ड्राइविंग के दौरान हैंड्स-फ्री पर बात करते हैं। भारत में सड़क दुर्घटना में कई लोगों को जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में इस अध्ययन के सामने आने से इस मुद्दे पर और गंभीर रूप से विचार करने की जरूरत है।

ड्यूक 390 अगले साल तक

ऑस्ट्रिया की मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी केटीएम अपना ड्यूक 390 नेक्स्ट-जनेरेशन मॉडल अगले साल तक भारत में लॉन्च करेगी। हाल ही में इस ड्यूक की तस्वीरें यूरोप में टेस्टिंग के दौरान सामने आई है। केटीएम ड्यूक 390 के इस नए मॉडल में कई बदलाव नजर आ रहे हैं, साथ ही बाइक की स्टाइलिंग में काफी बदलाव किए गए हैं। बाइक के फ्यूल टैंक को बिल्कुल नया डिजाइन दिया गया है। इसके अलावा हेडलाइट क्लस्टर को भी बदला है। नए केटीएम ड्यूक 390 में ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, नया स्विचगियर और एलईडी इंडिकेटर लगाए गए हैं। बाइक में सिंगल सिलिंडर इंजन लगा है, बताया जा रहा है कि इस बाइक के इंजन को भी पहले की तुलना में थोड़ा स्मूथ बनाया गया है ताकि ज्यादा वाइब्रेशन ना हो। इस नई ड्यूक 390 में पहले से बेहतर कूलिंग सिस्टम भी मौजूद है।

बीएमडब्ल्यू की स्टंट बाइक...

बीएमडब्ल्यू आगामी जी310आर बाइक भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के लिए उतार चुकी है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के दो मॉडलों को चेन्नई-बेंगलुरू हाइवे पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया। आगामी मोटरसाइकिल बीएमडब्ल्यू की पहली बाइक है जिसको भारत में तैयार किया जा रहा है। इस बाइक को होसुर में टीवीएस मोटर्स के कारखाने में तैयार किया जाएगा। बीएमडब्ल्यू जी310आर को पहली बार 2016 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। उम्मीद है कि इस बाइक भारतीय बाजार में अक्टूबर, 2016 तक लॉन्च किया जाएगा। टेस्टिंग के दौरान एक दिलचस्प बात यह सामने आई कि बाइक बिना एंटी ब्रेक सिस्टम के दिखाई दी। दरअसल कंपनी किफायती दाम में बाइक लॉन्च करने की तैयारी में है। इसलिए भारतीय बाजार में इसके दो वेरिएंट लॉन्च हो सकते हैं। इसके अलावा परीक्षक सवार के अनुसार, बीएमडब्ल्यू जी310आर की टॉप स्पीड 170 किलोमीटर प्रति घंटा है। बीएमडब्ल्यू जी310आर के माइलेज की बात करें तो यह 25 से28 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। हालांकि यह आंकड़े अभी केवल अटकलें हैं। यह एक स्टंट बाइक है जिसको चार बार विश्व स्टंट बाइक चैंपियन रहे चुके क्रिस फीफर के सुझाव के साथ तैयार किया गया है। इस बाइक के ज्यादातार फीचर्स स्टंट के ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

ये नियम हैं फायदे के...

शास्त्रों के अनुसार निर्धारित नियमों का पालन करने से घर-परिवार को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। कुछ ऐसे काम हैं जिन्हें करते रहने से घर में ऊपरी शक्तियां प्रवेश नहीं कर सकती। सर्वप्रथम तुलसी को घर में स्थापित करें क्योंकि तुलसी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं और भारत के हर भाग में सहज उपलब्ध हैं। जिस घर में तुलसी का पौधा नहीं, वह घर सूना समझा जाता है। तुलसी का स्पर्श कर घर में प्रवेश करने वाली वायु साक्षात अमृत होती है। दैहिक स्वास्थ्य को सिद्ध करती है। प्रतिदिन तुलसी को जल चढ़ाने से न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है अपितु इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि करते हैं। घर में मंदिर की स्थापना करने से पूर्व ध्यान रखें की वहां सूर्य की रोशनी और ताजी हवा आसानी से आ जा सके। ऐसा करने से ऊपरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। जिस घर में एकाक्षी नारियल की पूजा होती है, वहां लक्ष्मी जी की कृपा होती है, अन्न व धन की कभी कमी नहीं आती। गोबर में लक्ष्मी का वास होने से इसे गोवर अर्थात गौ का वरदान कहा जाना ज्यादा उचित होगा। गोबर से लीपे जाने पर ही भूमि यज्ञ के लिए उपयुक्त होती है। गोबर से बने उपलों का यज्ञशाला और रसोई घर, दोनों जगह प्रयोग होता है। मान्यता है जिस जगह को प्रतिदिन गाय के गोबर से लीपा पोता जाता है वह जगह हमेशा पवित्र रहती है और उस स्थान में मां लक्ष्मी सर्वदा निवास करती हैं। ऐसे घर को धन-दौलत से समृद्ध करती हैं मां लक्ष्मी।

“मलेशिया की एक लीडिंग यूनिवर्सिटी ने भारत में रहने वाले हिंदुओं को डर्टी और अनक्लीन बताया है। यूनिवर्सिटी के इस टीचिंग मॉड्यूल के ऑनलाइन पब्लिश होने के बाद इसे लेकर विवाद हो गया है। इसमें दावा किया गया है कि हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। सच तो यह है कि किसी भी धर्म का मर्म जाने बिना उसके बारे में कोई भी टिप्पणी करना, कोई निष्कर्ष निकालना सतही ज्ञान का प्रदर्शन करना है। यूनिवर्सिटी के विद्वानों ने गंदगी कहकर हमारी भस्म की अवधारणा के बारे में अपनी अज्ञानता का परिचय दिया है।”

सृष्टि का सार है भस्म...

मलेशिया की लीडिंग यूनिवर्सिटी के मुताबिक भारत के हिंदू लोग बॉडी पर गंदगी लगाने को निर्वाण प्राप्त करने का धार्मिक जरिया मानते हैं। इस यूनिवर्सिटी की बात हिंदुओं द्वारा शरीर पर भस्म लगाने की ओर इशारा करती है। यूनिवर्सिटी के विद्वान भस्म को गंदगी और इसे शरीर पर लगाने को अवैज्ञानिक करार दे रहे हैं। ये विद्वान न तो भस्म के विज्ञान को समझ पाए हैं, न भस्म के अध्यात्म को औ न ही भस्म के दर्शन को। दरअसल शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है। एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाया जाता है। भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म धारण करने वाले भगवान शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

नश्वरता का आभास

भस्म यानी कुछ जलाने के बाद बची हुई राख। शिव जली हुई चिताओं के बाद बची हुई राख को भी अपने तन पर लगाते थे। इसका अर्थ पवित्रता में छिपा है, वह पवित्रता जिसे भगवान शिव ने एक मृत व्यक्ति की जली हुई चिता में खोजा है। इसे अपने तन पर लगाकर वे उस पवित्रता को सम्मान देते हैं। कहते हैं शरीर पर भस्म लगाकर भगवान शिव खुद को मृत आत्मा से जोड़ते हैं। उनके अनुसार मरने के बाद मृत व्यक्ति को जलाने के बाद बची हुई राख में उसके जीवन का कोई कण शेष नहीं रहता। न उसके दुख, न सुख, न कोई बुराई और न ही उसकी कोई अच्छाई बचती है। इसलिए वह राख पवित्र है, उसमें किसी प्रकार का गुण-अवगुण नहीं है, ऐसी राख को भगवान शिव अपने तन पर लगाकर सम्मानित करते हैं। विभूति, भस्म या पवित्र राख के इस्तेमाल के कई पहलू हैं। पहली बात, वह ऊर्जा को किसी को देने या किसी तक पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम है। इसमें ‘ऊर्जा-शरीर’

को निर्देशित और नियंत्रित करने की क्षमता है। इसके अलावा, शरीर पर उसे लगाने का एक सांकेतिक महत्व भी है। वह लगातार हमें जीवन के नश्वरता की याद दिलाती रहती है, मानो आप हर समय अपने शरीर पर नश्वरता ओढ़े हुए हों। ‘भस्म’ शब्द में ‘भ’ अर्थात ‘भर्त्सनम्’ अर्थात ‘नाश हो’। ‘स्म’ अर्थात स्मरण। भस्म के कारण पापों का निर्दालन होकर ईश्वर का स्मरण होता है। शरीर नाशवान है । इसे निरंतर स्मरण रखने का जो प्रतीक है, वह भस्म है; ऐसा भस्म शब्द का भावार्थ है। विभूति, रक्षा एवं राख ये भस्म के समानार्थी शब्द है। अपनी आहुति देकर मनुष्य का भस्म होना, अर्थात अपनी इच्छा-आकांक्षा, दोष, अज्ञान एवं अहं का त्याग करना एवं मन की शुद्धता प्राप्त करना इसका मर्म है। मनुष्यदेह नश्वर है, इसलिए मरणोपरांत उस देह को जलकर राख होना है। इसलिए कोई भी देहासक्ति न रखें । मृत्यु किसी भी क्षण हो सकती है, यह भान रख मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए प्रत्येक क्षण को पवित्र तथा आनंदमय बनाने में प्रयत्नरत रहें, यही भस्म सूचित करती है।

शरीर मूल पदार्थ नहीं

आम तौर पर योगी श्मशान भूमि से उठाई गई राख का इस्तेमाल करते हैं। अगर इस भस्म का इस्तेमाल नहीं हो सकता, तो अगला विकल्प गाय का गोबर होता है। इसमें कुछ दूसरे पदार्थ भी इस्तेमाल किए जाते हैं लेकिन मूल सामग्री गाय का गोबर होती है। अगर यह भस्म भी इस्तेमाल नहीं की जा सकती, तो चावल की भूसी से भस्म तैयार की जाती है। यह इस बात का संकेत है कि शरीर मूल पदार्थ नहीं है, यह बस भूसी या बाहरी परत है। सुबह घर से निकलने से पहले, हम कुछ खास जगहों पर विभूति लगाते हैं ताकि हम अपने आस-पास मौजूद ईश्वरीय तत्व को ग्रहण कर सकें, शैतानी तत्व को नहीं। अगर भस्म को सही तरीके से तैयार किया

जाए और हमको पता हो कि उसे कहां और कैसे लगाना है तो भस्म हमें और ग्रहणशील बनाती है। हम उसे अपने शरीर पर जहां भी लगाते हैं, वह अंग अधिक संवेदनशील हो जाता है और परम प्रकृति की ओर अग्रसर होता है। उस समय हमारा जो भी पहलू ग्रहणशील होगा, उसके आधार पर हम अलग-अलग रूपों में और अपने विभिन्न आयामों से जीवन को ग्रहण कर सकते हैं।

कहां और क्यों लगाते हैं भस्म

आपने ध्यान दिया होगा कभी आप किसी चीज को देखकर एक खास तरीके से उसका अनुभव करते हैं, फिर किसी और समय आप उसी चीज का अनुभव बिल्कुल अलग रूप में करते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप जीवन को किस रूप में ग्रहण करते हैं। आप चाहते हैं कि आपके उच्च पहलू ग्रहणशील हों, न कि निम्न पहलू। हमारे शरीर में, सात मूल केंद्र हैं जो जीवन का अनुभव करने के सात आयामों को दर्शाते हैं। इन केंद्रों को चक्र कहा जाता है। चक्र, ऊर्जा प्रणाली के भीतर एक खास मिलन बिंदु होते हैं। इन चक्रों की प्रकृति भौतिक नहीं, बल्कि सूक्ष्म होती है। आप इन चक्रों को अनुभव से जान सकते हैं, लेकिन अगर आप शरीर को काटकर देखें, तो आपको कोई चक्र नहीं दिखेगा। जब आप तीव्रता के उच्च स्तरों की ओर जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से ऊर्जा एक चक्र से दूसरे चक्र की ओर बढ़ती है। अगर आप नीचे स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करते हैं तो जो आपका अनुभव होगा उसकी तुलना में तब आपके अनुभव और आपकी स्थिति बिल्कुल अलग होगी जब आप शरीर में ऊपर की ओर स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करेंगे। पारंपरिक रूप से थोड़ी भस्म भौंहों के बीच लगाना है, जिसे आज्ञा चक्र कहा जाता है, गले के गड्ढे में लगाना है, जिसे विशुद्धि चक्र कहा जाता है और छाती के मध्य में लगाना है, जिसे अनाहत चक्र के नाम से जाना जाता है। भारत में आम तौर पर माना जाता है कि आपको इन बिंदुओं पर विभूति जरूर लगानी चाहिए। इन खास बिंदुओं का जिक्र इसलिए किया गया है क्योंकि विभूति उन्हें अधिक संवेदनशील बनाती है। भस्म आम तौर पर अनाहत चक्र पर इसलिए लगाई जाती है ताकि हम जीवन को प्रेम के रूप में ग्रहण कर सकें। उसे विशुद्धि चक्र पर इसलिए लगाया जाता है ताकि हम जीवन को शक्ति के रूप में ग्रहण करें, शक्ति का मतलब सिर्फ शारीरिक या मानसिक शक्ति नहीं है, इंसान बहुत से रूपों में शक्तिशाली हो सकता है। इसका मकसद जीवन ऊर्जा को बहुत मजबूत और शक्तिशाली बनाना है ताकि सिर्फ हमारी मौजूदगी ही हमारे आस-पास के जीवन पर असर डालने के लिए काफी हो, हमें बोलने या कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस बैठने से ही हम अपने आस-पास की स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। एक इंसान के भीतर इस तरह की शक्ति विकसित की जा सकती है। विभूति को आज्ञा चक्र पर इसलिए लगाया जाता है, ताकि हम जीवन को ज्ञान के रूप में ग्रहण कर सकें। यह बहुत गहरा विज्ञान है लेकिन इसकी आलोचना इसलिए हो रही है कि उन्होंने इसे समझा ही नहीं।

विकास का उपकरण

वास्तव में भस्म शिव या किसी और भगवान की दी हुई चीज नहीं है। यह विश्वास का प्रश्न नहीं है। भारतीय संस्कृति में, उसे गहराई से किसी व्यक्ति के विकास के उपकरण के रूप में देखा गया है। सही तरीके से तैयार विभूति की एक अलग गूंज होती है। इसके पीछे के विज्ञान को पुनर्जीवित करने और उसका लाभ उठाने की जरूरत है। हमारे देश की संस्कृति में राख के बहुत से संदर्भ और अर्थ है राख एक वह जो जीवन का कटु सत्य है। प्राणांत के बाद यह देह भी भस्मसात होगी ही। कई बार तीर्थ स्थानों में गुफाओं में धूनी रमाए तपस्या करते साधु देखे जा सकते हैं। हमारे लोकगीतों और शास्त्रीय संगीत में अनेक प्रसंगो में भस्म का जिक्र आया है जैसे भस्म अंग गौरी संग अधिक सुहाय है...। कवियों ने अपनी कविताओं में भी भस्म का खूब प्रयोग किया हैं श्रीचन्द्रकुंवर बर्त्वाल ने ‘ज्योति ओंकार’ कविता में लिखा है ‘‘शोभित चन्द्र कला मस्तक पर, भष्म विभूषित नग्न कलेवर कटि पर कृष्ण गजानिन सा घन गिरती घोर घोष कर पद पर वज्र छटा सी दीप्त सुरधुनि। तथा शिव पंचाक्षर स्तोत्र में लिखा है- नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्मांगरागाय विभूषिताय..।

राख से उपचार

आयुर्वेद में भी राख का विशेषकर पहाड़ी गाय के गोबर से बने उपले की राख का कई प्रकार से उपयोग किया जाता है। किसी बच्चे के पेट में दर्द होने पर गांवों में जब डाक्टर और दवा नहीं होती थी तो बुजुर्ग लोग दादी-नानी बच्चे के पेट में जलती अंगीठी से गर्म राख निकालकर मल देते और सेक करते थे तो आराम आता था। कई बार जब बच्चे की तकलीफ का पता नहीं चलता था और लगातार रोता था तो उसे गोद में लेकर सयाने लोग मंत्र बोल-बोल कर राख का स्पर्श करते हुए कभी मां दुर्गा का, कभी हनुमान चालीसा का, कभी भगवान शंकर के, या अन्य देवी देवताओं का पाठ करते और बालक के माथे पर राख का तिलक लगाते और बच्चे दर्द मुक्त हो कर सो जाते। भारतीय संस्कृति में गो माता तो पूजनीय है ही तथा उसके त्याज्य गोमूत्र और गोबर की सर्वोत्तम जैविक खाद तो है ही इसके अतिरिक्त गाय से प्राप्त दूध, दही, घी, मक्खन आदि पदार्थों का भी आरोग्यता के लिए प्रयोग किया जाता है। गाय के गोबर के उपले की राख के भी अनेक प्रयोग है संक्रमण से जब कभी गंज रोग हो जाता है और सर पर गोल चकत्ते बन जाते व सिर के बाल उड़ जाते हैं तो उसके उपचार के लिए भी राख की आवश्यकता होती जो एक अलग विधि है। गाय के गोबर के उपले की राख में अत्यधिक औषधीय तत्व हैं। यों तो स्वास्थ्य विभाग के प्रयास से संक्रामक रोगों पर काफी नियन्त्रण कर लिया गया है। फिर भी कभी-कभार कहीं न कहीं रोगों के दर्शन हो ही जाते हैं। बड़ी माता भयानक संक्रामक रोग है। जो शरीर पर निकले फफोलों के सूखने पर खुरण्ड से फैलता है उससे चेहरा कुरूप हो जाता है कहीं बार आंखों की रोशनी भी चली जाती हैं जिस समय उसके फफोले सूखने लगे तो उस समय उस स्थान पर कपड़े से छनी हुई गाय के गोबर के उपले की राख मलने से दाग नहीं पड़ते। यह अनुभूत सत्य है।

भस्म तिलक का आकार

देवता के तत्त्वानुसार मस्तक पर लगाए तिलक का आकार निर्धारित होता है। मस्तक पर बनाए भस्म के पट्टों में शिवतत्त्व आकर्षित होता है और शिव लय से संबंधित देवता होने से शिवतत्त्व आकर्षित करने वाली सीधी रेखाएं मस्तक पर बनाई जाती हैं। सीधी रेखा शांति एवं स्थिरता दर्शाती है। उसी प्रकार मस्तक के ये तीन पट्टे त्रिगुण, तथा उत्पत्ति, स्थिति एवं लय से संबंधित होते हैं। तिलक से निर्मित स्पंदन देह में कार्यरत होते हैं। तिलक के आकारानुसार व्यक्ति की प्रकृति तथा साधनामार्ग की पहचान होती है। विशेषज्ञों ने उत्तराखण्ड के सभी सिद्धपीठों का का वर्णन किया है। उत्तराखण्ड में लगभग सभी सिद्धपीठों में भस्म को अति पवित्र मानकर प्रसाद दिया जाता है और भक्तजन कुंकुम, रोली तथा चन्दन की तरह उसे शिरोधार्य करते है, अपनी आस्था और विश्वास के फलस्वरूप। भारतवर्ष के महान दार्शनिक विद्वान चार्वाक ने कहा था जब तक जीना है सुखपूर्वक जीना चाहिए कर्ज करके भी घी पीना चाहिए भस्म होने वाली यह देह भला फिर कहां से आएगी।

किस दिशा में सिर रख कर सोएं...?

पारंपरिक रूप से उत्तर दिशा में सिर रख कर सोने के लिए अकसर हमें मना किया जाता है। क्या यह नियम पूरी दुनिया में सभी स्थानों पर लागू होता है? क्या है इसका विज्ञान? कौन सी दिशा सोने के लिए सबसे अच्छी है? किस दिशा में सिर रखकर सोना चाहिए? यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

आपने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों यानी मैगनेटिक फील्ड के बारे में सुना होगा। कई रूपों में अपनी चुंबकीयता के कारण पृथ्वी बनी है। इसलिए इस ग्रह पर चुंबकीय शक्तियां शक्तिशाली हैं। अगर हम उत्तर की ओर सिर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उस तरह रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। जब शरीर क्षैतिज अवस्था में होता है, तो हम तत्काल देख सकते हैं कि हमारी नाड़ी की गति धीमी हो जाती है। शरीर यह बदलाव इसलिए लाता है क्योंकि अगर रक्त उसी स्तर पर पंप किया जाएगा, तो हमारे सिर में जरूरत से ज्यादा रक्त जा सकता है और हमें नुकसान हो सकता है। अब अगर हम अपना सिर उत्तर की ओर करते हैं और 5 से 6 घंटों तक उसी अवस्था में रहते हैं, तो चुंबकीय खिंचाव हमारे दिमाग पर दबाव डालेगा। अगर कोई व्यक्ति एक उम्र से आगे निकल चुका है और उसकी रक्त शिराएं कमजोर हैं तो उसको रक्तस्राव और लकवे के साथ स्ट्रोक हो सकता है। अगर हमारा शरीर मजबूत है और ये चीजें हमारे साथ नहीं होतीं, तो हम उत्तेजित या परेशान होकर जाग सकते हैं क्योंकि सोते समय दिमाग में जितना रक्त संचार होना चाहिए, उससे ज्यादा होता है। ऐसा नहीं है कि एक दिन ऐसा करने पर हम मर जाएंगे। मगर रोजाना ऐसा करने पर हम परेशानियों को दावत दे रहे हैं। हमारे साथ किस तरह की परेशानियां हो सकती हैं, यह इस पर निर्भर करता है कि हमारा शरीर कितना मजबूत है।

पूर्व सबसे अच्छी दिशा: तो किस दिशा में सिर करके सोना सबसे अच्छा होता है? पूर्व सबसे अच्छी दिशा है। पूर्वोत्तर ठीक है। पश्चिम चलेगा। अगर कोई विकल्प नहीं है तो दक्षिण। उत्तर बिल्कुल नहीं। जब तक आप उत्तरी गोलार्ध में हैं, यही सही है। उत्तर के अलावा किसी भी दिशा में सिर करके सोया जा सकता है। दक्षिणी गोलार्ध में, दक्षिण की ओर सिर करके न रखें।

सुबह ऐसे उठें

अपनी दायीं तरफ घूमें: जब आप उठें, तो अपनी दायीं तरफ घूमें और फिर बिस्तर से बाहर आएं, क्योंकि नींद से उठते समय मेटाबोलिक प्रक्रिया बहुत धीमी होती है। ऐसे में अचानक से बिस्तर छोड़ने पर दिल पर दबाव पड़ेगा।

अपने हाथों को मसलें: सुबह बिस्तर से उठने से पहले अपने हाथों को मसलें और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर लगाएं। हथेलियों को मसलने से हाथों में स्थित सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और हमारा सिस्टम जल्दी से सजग हो जाता है।

मुस्कुराएं: सुबह उठ कर मुस्कुराएं! किसे देख कर? किसी को नहीं! क्योंकि आपका सुबह उठना अपने आप में एक बड़ी बात है। लाखों ऐसे लोग हैं जो कल रात सोए और आज सुबह नहीं उठे, लेकिन आप सुबह उठ गए। क्या यह बड़ी बात नहीं है? इसलिए मुस्कुराएं।

उठने के बाद यह करें

पारंपरिक रूप से यह भी कहा जाता है कि सुबह उठने से पहले हमें अपनी हथेलियां रगड़नी चाहिए और अपनी हथेलियों को अपनी आंखों पर रखना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने पर हमें भगवान दिख सकते हैं। इसका संबंध भगवान के दिखने से नहीं है। हमारे हाथों में नाड़ियों का एक भारी जाल है। अगर हम अपनी हथेलियां रगड़ते हैं, तो सभी नाड़ियां सक्रिय हो जाती हैं और शरीर तत्काल सजग हो जाता है। सुबह जगने पर भी अगर सुस्त महसूस करते हैं, तो ऐसा करके देखिए, आपका पूरा शरीर तत्काल सजग हो जाएगा। तत्काल आपकी आंखों और आपकी इंद्रियों के दूसरे पहलुओं से जुड़ी सारी नाड़ियां सजग हो जाती हैं। शरीर को हिलाने से पहले आपका शरीर और दिमाग दोनों सक्रिय होने चाहिए। आपको सुस्त नहीं उठना चाहिए, इसका मकसद यही है।

खादी की लहर है...

केवीआईसी यानी खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग ने मंगलावर को कहा कि देश में खादी की लहर है और कई मंत्रालयों व संस्थानों ने दैनिक आधार पर हाथ से बुने परिधान का उपयोग शुरू किया है। खादी उत्पादों के लिए मांग बढ़ रही है और खादी दस्तकारों के लिए अधिक मानव श्रम सृजित कर रही है। जब 1920 के दशक में भारत में हाथ से बने खादी वस्त्रों की शुरुआत हुई तो यह केवल एक ढर्रा नहीं था, यह एक विचारधारा के रूप में सामने आया था। इसके सबसे बड़े प्रशंसक महात्मा गांधी थे और सूती भारत की आत्मनिर्भरता, ब्रितानी कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले कपड़ों से आजादी का प्रतीक बन गया था। आज भी यह कई नेताओं की पहली पसंद है। अब इसे लगातार फैशनेबल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। भारतीय मौसम के लिए यह सबसे दुरुस्त पहनावा है, जो पसीने और गर्मी से राहत देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की यात्रा पर आए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी खादी पहनने का सुझाव दिया था। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया अनुसार यह बहुत ज़्यादा संभावना वाला बाजार है, खादी के कपड़े सस्ते हैं. भारतीय डिजाइनर जनता के साथ काम करना चाहते हैं, न कि कुछ खास लोगों के लिए। इस समय भारतीय कपड़ा बाजार में इसकी महज एक या दो फीसदी हिस्सेदारी है। यह अभी भी एक सवाल है कि खादी की छवि को बदलने की ये कोशिशें क्या वाकई कोई बदलाव ला सकेंगी। हालांकि, इसकी व्यापक लोकप्रियता में समय लग सकता है लेकिन खादी में बदलाव इससे जुड़े लाखों कारीगरों की जिंदगी को बदल सकता है।

संपादकीय

ट्रंप का 'जबरन मजदूरी' टैरिफ

अब अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 'जबरन मजदूरी' के वैश्विक पैरोकार बनना चाहते हैं। उनके निशाने पर भारत समेत 54 देश ऐसे हैं, जो बंधुआ अथवा जबरन मजदूरी से बनाए गए सामान के आयात रोकने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत एक प्रस्ताव दिया है कि इन देशों पर 12.5 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। वैसे अमरीकी सर्वोच्च अदालत 'ट्रंपवादी टैरिफ' को 'अवैध' करार दे चुकी है, फिर भी राष्ट्रपति को अधिकार प्राप्त हैं कि वह एक निश्चित अवधि तक 10 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी संवैधानिक प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए जो वैश्विक टैरिफ लगाया था, उसकी अवधि 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। दरअसल ट्रंप बुनियादी तौर पर 'व्यापारी' हैं और राष्ट्रपति कार्यालय भी उसी मानस के साथ धकेलना चाहते हैं। यदि भारत, चीन, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सऊदी अरब आदि देशों में 'जबरन मजदूरी' प्रचलित है, तो अमरीकी राष्ट्रपति के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? क्या ट्रंप को यह ठेकेदारी भी मिली है? भारत का ही उदाहरण लें, तो वहां अनुमान है कि 1 करोड़ 10 लाख 50,000 से अधिक 'जबरन श्रम' से पीड़ित, विवश लोग हैं। वे बाल-मजदूर, बंधुआ अथवा गुलाम मजदूर भी हो सकते हैं। देश के ईंट-भट्टों, कृषि, कपास, वस्त्र उद्योग, खनन, झींगा प्रसंस्करण, घरेलू काम, कालीन बुनाई, पत्थर की खदानों आदि में 'जबरन मजदूरी' का चलन है। हालांकि भारत में बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम की व्यवस्था भी है, लेकिन उन स्थितियों से अमरीका पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? यह अमरीका की समस्या नहीं है, लेकिन टैरिफ के लिए ट्रंप कुछ भी कर सकते हैं और कोई भी दलील दे सकते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ने नए टैरिफवाद के लिए एक और क्षेत्र चुन लिया है। बंधुआ-बाल मजदूरी या पीढ़ी-दर-पीढ़ी गुलामी के संदर्भ में अमरीका ने कौन से ठोस और कारगर प्रयास किए हैं? दरअसल इस 'जबरन मजदूरी' टैरिफ का प्रस्ताव ऐसे समय सामने आया है, जब भारत में अमरीकी प्रतिनिधिमंडल के साथ 'द्विपक्षीय व्यापार समझौते' की 99 फीसदी रूपरेखा तय की जा चुकी है। यह पुष्टि केंद्रीय उद्योग-वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी की है। अंतिम 1 फीसदी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत को लगता है कि 'जबरन श्रम' टैरिफ के जरिए अमरीका अनधिकार चेष्टा कर रहा है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध के घाटे और नुकसान की भरपाई अब एक और टैरिफ के माध्यम से करना चाहते हैं। उस थोपे हुए, फिजूल, नाकाम युद्ध पर अमरीका के 100 अरब डॉलर फूंके जा चुके हैं। बेशक यह सच है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 'जैसे को तैसा टैरिफ' के जरिए 214 अरब डॉलर कमाए थे, लेकिन अदालती आदेश के बाद अमरीका को 165 अरब डॉलर वापस रिफंड करने पड़े। इसके बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप विचलित नहीं हुए। उन्हें 'जबरन टैरिफ' से इतना लगाव है कि उन्होंने दर्जनों व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ थोपने का प्रस्ताव तैयार कराया है। दूसरी ओर कनाडा, पाकिस्तान, मैक्सिको, इंडोनेशिया आदि कुछ देश ऐसे बताए गए हैं कि जो 'जबरन श्रम' वाले सामान को आयात नहीं करते अथवा बहुत कम करते हैं। उन पर अमरीका 10 फीसदी टैरिफ लगाएगा। वह किसी को छोडऩे वाला नहीं है, क्योंकि उन्हें अमरीका की अर्थव्यवस्था को संतुलित करना है। अमरीकी कानून का दोगलापन देखिए कि 'जबरन श्रम' के संदर्भ में उसने दुर्लभ खनिज, कुछ और धातुओं, कॉफी, फार्मा, विमान के कुछ हिस्से आदि के क्षेत्रों को छूट दे रखी है। कोबाल्ट की खदानों में जो शोषण जारी रहा है, यदि अमरीका को अनुकूल लगता है या उससे फायदा होता है, तो उस शोषण का भी स्वागत है। वाह! सुपरपॉवर अमरीका!! बहरहाल अभी तो प्रस्ताव रखा गया है। अभी भारत समेत 54 देशों पर लागू किया जाना शेष है। सुनवाई का समय 22 जून तय किया गया है, लेकिन अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे साफ हैं। यह अमरीका की धमकी भी हो सकती है, ताकि भारत से व्यापार समझौते में कुछ और रियायतें हासिल की जा सकें। भारत को 'अमरीकी ब्लैकमेल' के सामने झुकना नहीं चाहिए और प्रस्तावित टैरिफ का सख्ती से जवाब देना चाहिए। ट्रंप को समझना मुश्किल है।

अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत एक प्रस्ताव दिया है कि इन देशों पर 12 .5 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। वैसे अमरीकी सर्वोच्च अदालत 'ट्रंपवादी टैरिफ' को 'अवैध' करार दे चुकी है, फिर भी राष्ट्रपति को अधिकार प्राप्त हैं कि वह एक निश्चित अवधि तक 10 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी संवैधानिक प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए जो वैश्विक टैरिफ लगाया था, उसकी अवधि 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। दरअसल ट्रंप बुनियादी तौर पर 'व्यापारी' हैं और राष्ट्रपति कार्यालय भी उसी मानस के साथ धकेलना चाहते हैं। यदि भारत, चीन, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सऊदी अरब आदि देशों में 'जबरन मजदूरी' प्रचलित है, तो अमरीकी राष्ट्रपति के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? क्या ट्रंप को यह ठेकेदारी भी मिली है? भारत का ही उदाहरण लें, तो वहां अनुमान है कि 1 करोड़ 10 लाख 50,000 से अधिक 'जबरन श्रम' से पीड़ित, विवश लोग हैं। वे बाल-मजदूर, बंधुआ अथवा गुलाम मजदूर भी हो सकते हैं। देश के ईंट-भट्टों, कृषि, कपास, वस्त्र उद्योग, खनन, झींगा प्रसंस्करण, घरेलू काम, कालीन बुनाई, पत्थर की खदानों आदि में 'जबरन मजदूरी' का चलन है।

भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं

मालवीय नगर अग्निकांड: मुआवजे से नहीं, जवाबदेही और सुधार से बचेगी जिंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है।

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें—क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है? किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है—सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख

की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं। भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है। दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है। अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते। इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है—क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके। सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे। मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता।

देश दुनिया से

क्या जन प्रतिनिधि कानून से ऊपर है?

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आचरण, मर्यादा और संस्थाओं के प्रति सम्मान की एक सतत प्रक्रिया भी है। किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति उसके संविधान, कानूनों और संस्थाओं में निहित होती है। जब जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का सम्मान करते हुए कार्य करते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब इन दोनों के बीच टकराव सार्वजनिक रूप से सामने आता है, तब यह केवल व्यक्तियों का विवाद नहीं रह जाता बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, प्रशासनिक स्वायत्तता और राजनीतिक संस्कृति पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर देता है। हाल ही में हरियाणा के रोहतक में इंडियन नेशनल लोकदल के विधायक अर्जुन चौटाला और पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के बीच हुआ विवाद इसी प्रकार की बहस को जन्म देने वाला प्रकरण बन गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और उसके बाद सामने आई प्रतिक्रियाओं ने इस घटना को केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहने दिया, बल्कि इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं और संस्थागत सम्मान के प्रश्न से जोड़ दिया है। भारत का लोकतंत्र जनप्रतिनिधियों को जनता की आवाज उठाने का अधिकार देता है। विरोध प्रदर्शन, धरना, ज्ञापन और आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। किसी भी सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं बल्कि दायित्व भी है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनहित से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दलों द्वारा आवाज उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र यह भी अपेक्षा करता है कि विरोध की अभिव्यक्ति शालीनता और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो। जब जनप्रतिनिधि स्वयं उन सीमाओं को लांघने लगते हैं जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी वे दूसरों से अपेक्षित करते हैं, तब लोकतांत्रिक संस्कृति को क्षति पहुंचती है। रोहतक की घटना में उपलब्ध वीडियो और सार्वजनिक रिपोर्टों के आधार पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि प्रदर्शन के दौरान विधायक और पुलिस अधीक्षक के बीच तीखी बहस हुई। वीडियो

में प्रयुक्त भाषा और संवाद की शैली ने व्यापक जनचर्चा को जन्म दिया। विवाद के बाद हरियाणा आईपीएस एसोसिएशन का सार्वजनिक रूप से सामने आना और पुलिस अधिकारी के समर्थन में बयान जारी करना इस मामले को और महत्वपूर्ण बना देता है। सामान्यतः प्रशासनिक संगठनों द्वारा राजनीतिक विवादों पर सार्वजनिक टिप्पणी कम ही देखने को मिलती है। ऐसे में जब एक पेशेवर संगठन अपने अधिकारी के समर्थन में खुलकर सामने आता है, तो यह संकेत देता है कि मामला केवल व्यक्तिगत असहमति तक सीमित नहीं माना जा रहा। यह सच है कि किसी भी घटना का अंतिम मूल्यांकन तथ्यों की निष्पक्ष जांच के बाद ही होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी व्यक्ति को केवल वायरल वीडियो या सोशल मीडिया के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं माना जा सकता। किसी भी पक्ष को अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार है। विधायक ने भी अपनी सफाई में कहा कि उनका उद्देश्य किसी अधिकारी का अपमान करना नहीं था और विवाद परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हुआ। लोकतांत्रिक न्याय की दृष्टि से इस पक्ष को भी सुना जाना चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या कोई भी परिस्थिति किसी जनप्रतिनिधि को सार्वजनिक रूप से किसी अधिकारी के प्रति अपमानजनक भाषा प्रयोग करने का नैतिक अधिकार प्रदान कर सकती है? लोकतांत्रिक राजनीति में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन असहमति और अभद्रता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। चुनावी विश्लेषण रिपोर्ट भारत की प्रशासनिक व्यवस्था संविधान द्वारा संचालित होती है। पुलिस अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी निर्वाचित नहीं होते, लेकिन वे राज्य की संस्थागत संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनका कार्य कानून का निष्पक्ष क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होता है। दूसरी ओर जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं और जनहित के मुद्दों को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाते हैं। इन दोनों भूमिकाओं के बीच सहयोग और संवाद लोकतांत्रिक प्रशासन की आधारशिला है। यदि जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारियों को केवल अधीनस्थ मानने लगें या प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधियों को महत्वहीन समझने लगें, तो शासन व्यवस्था में संतुलन समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनों पक्षों के बीच सम्मानजनक व्यवहार अनिवार्य है। यह भी समझना होगा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों को विशेषाधिकार अवश्य प्राप्त होते हैं, लेकिन वे कानून से ऊपर नहीं होते। संविधान ने किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि को यह अधिकार नहीं दिया है कि वह सार्वजनिक पद पर कार्यरत किसी अधिकारी के साथ अपमानजनक व्यवहार करे। जनप्रतिनिधि का पद सम्माननीय है, लेकिन यह सम्मान जिम्मेदारी के साथ जुड़ा हुआ है। जनता अपने प्रतिनिधियों से केवल राजनीतिक संघर्ष की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि वह उनसे संयम, शालीनता और आदर्श व्यवहार की भी उम्मीद करती है। जब कोई जनप्रतिनिधि सार्वजनिक मंच पर अपनी भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण खो देता है, तो उसका प्रभाव केवल उस घटना तक सीमित नहीं रहता। वह समाज में एक संदेश भी देता है कि शक्ति और प्रभाव के आधार पर मर्यादाओं को दरकिनार किया जा सकता है। भारतीय राजनीति में दुर्भाग्यवश ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं। समय-समय पर विभिन्न राज्यों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच टकराव की खबरें सामने आती रही हैं।

आप का नज़रिया

गरीब मरीज पूछ रहा है— क्या मेरा जीवन इतना सस्ता है?

स्वास्थ्य व्यवस्था की असली परीक्षा अस्पतालों की इमारतों से नहीं, मरीज को समय पर मिलने वाले उपचार से होती है। दुर्भाग्य से, देश की चिकित्सा व्यवस्था के सर्वोच्च प्रतीकों में गिने जाने वाले एम्स भी अब लंबी प्रतीक्षा की समस्या से जूझ रहे हैं। एम्स भोपाल में गैर-इमरजेंसी (रूटीन) केस में कई मरीजों को सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी जरूरी जांच के लिए तीन-चार माह इंतजार करना पड़े, तो यह केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का संकेत है। बीमारी न प्रशासनिक प्रक्रियाओं का इंतजार करती है, न सरकारी गति का; वह हर दिन गंभीर होती जाती है। ऐसे में 120 दिन बाद जांच की तारीख मिलना एक चिंताजनक प्रश्न खड़ा करता है—इसका बोझ आखिर कौन उठाएगा, मरीज, उसका परिवार या उसका जीवन? एम्स भोपाल की लंबी वेटिंग लिस्ट अब केवल एक अस्पताल की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पुरानी चुनौती का प्रतीक बन गई है। कम खर्च में बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों के लिए सस्ता इलाज भी तब बेमानी हो जाता है, जब जरूरी जांच ही महीनों बाद उपलब्ध हो। पेट के असहनीय दर्द, कैंसर की आशंका, मस्तिष्क रोग या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज यदि केवल व्यवस्थागत कमी के कारण चार माह प्रतीक्षा करने को विवश हों, तो यह स्वास्थ्य सेवा नहीं, संवेदनहीनता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बीमारी किसी वेटिंग लिस्ट का इंतजार नहीं करती; वह लगातार बढ़ती जाती है और कई बार उपचार की संभावनाओं को भी सीमित कर देती है। विडंबना यह है कि इस व्यवस्था का सबसे बड़ा बोझ उसी वर्ग पर पड़ रहा है, जिसके नाम पर राजनीति सबसे अधिक होती है। आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्ति निजी अस्पताल में कुछ घंटों या दिनों में जांच करा लेता है, लेकिन मजदूर, किसान, छोटा व्यापारी और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह विकल्प अक्सर पहुंच से बाहर होता है। ऐसे में उसके सामने दो ही रास्ते बचते हैं—कर्ज लेकर निजी जांच कराए या दर्द और आशंका के बीच सरकारी अस्पताल की लंबी प्रतीक्षा सहे। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता का भी दर्पण है। स्वास्थ्य सुविधाएं आय से नहीं, आवश्यकता से तय होनी चाहिए, किंतु मौजूदा व्यवस्था में पैसे वालों को समय मिलता है और अभावग्रस्तों को इंतजार। लंबी वेटिंग लिस्ट वर्षों से बढ़ती मांग और अपर्याप्त संसाधन विस्तार की कीमत है। मरीजों का बोझ बढ़ता रहा, लेकिन डॉक्टरों, विशेषज्ञों और तकनीकी कर्मचारियों की संख्या लगभग वहीं ठहरी रही। कई सुपर-स्पेशियलिटी विभाग सीमित मानव संसाधनों पर निर्भर हैं, जबकि रेडियो डायग्नोसिस जैसे अहम विभाग पर्याप्त स्टाफ के अभाव में अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे। परिणाम सामने है—संसाधन मौजूद हैं, पर सेवाएं नहीं; मशीनें हैं, पर समय पर जांच नहीं। प्रश्न यह है कि जब बढ़ती जरूरतें वर्षों से दिखाई दे रही थीं, तब उनकी तैयारी क्यों नहीं की गई? आखिर किस स्तर की चूक ने देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों को भी प्रतीक्षा के संकट में धकेल दिया? जब राजनीति का केंद्र तात्कालिक लोकप्रियता बन जाए, तब अस्पतालों की जरूरतें अक्सर हाशिये पर चली जाती हैं। यही कारण है कि मुफ्त योजनाओं और लोकलुभावन घोषणाओं पर अरबों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन डॉक्टरों की भर्ती, नई मशीनों और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए संसाधनों का अभाव बताया जाता है। विडंबना यह है कि वोट के लिए खजाना खुल जाता है, पर जीवन बचाने के लिए बजट सीमित पड़ जाता है।

एम्स भोपाल में गैर-इमरजेंसी (रूटीन) केस में कई मरीजों को सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी जरूरी जांच के लिए तीन-चार माह इंतजार करना पड़े, तो यह केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का संकेत है। बीमारी न प्रशासनिक प्रक्रियाओं का इंतजार करती है, न सरकारी गति का; वह हर दिन गंभीर होती जाती है। ऐसे में 120 दिन बाद जांच की तारीख मिलना एक चिंताजनक प्रश्न खड़ा करता है—इसका बोझ आखिर कौन उठाएगा, मरीज, उसका परिवार या उसका जीवन? एम्स भोपाल की लंबी वेटिंग लिस्ट अब केवल एक अस्पताल की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पुरानी चुनौती का प्रतीक बन गई है। कम खर्च में बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों के लिए सस्ता इलाज भी तब बेमानी हो जाता है, जब जरूरी जांच ही महीनों बाद उपलब्ध हो। पेट के असहनीय दर्द, कैंसर की आशंका, मस्तिष्क रोग या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज यदि केवल व्यवस्थागत कमी के कारण चार माह प्रतीक्षा करने को विवश हों, तो यह स्वास्थ्य सेवा नहीं, संवेदनहीनता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बीमारी किसी वेटिंग लिस्ट का इंतजार नहीं करती; वह लगातार बढ़ती जाती है और कई बार उपचार की संभावनाओं को भी सीमित कर देती है।

कुछ अलग

एक नंबर के ईमानदार

वे एक नंबर के ईमानदार आदमी थे। किसी का कार्य किए बिना कुछ नहीं लेते थे। उनके ऐसा भी नहीं था कि कोई कार्य करने का पहले पैसा दे। हां, इतना अवश्य था कि काम करवाने के बाद वे अपना हक छोड़ते नहीं थे। इसलिए उनके क्षेत्रों में इन्हीं कारणों से उन्हें एक नंबर का ईमानदार माना जाता था। नाम उनका मुक्तिदास और उम्र यही कोई पचास के आसपास। नगर निगम में काम करते थे। पद से बड़े नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपनी इसी ईमानदारी के आधार पर अच्छी-खासी धाक जमा रखी थी। ऊपर तक उनके हाथ थे। कानून को कभी हाथ में नहीं लेते, बल्कि कानून को वे भली प्रकार काम में लेते थे। वे अक्सर अपने 'क्लाइंट्स' को डराते रहते थे कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं। कोई भी गलत काम करने वाला उससे बच नहीं सकता। ऐसी स्थिति से निजात पाने का रास्ता उनके पास है और जो उनके पास आता था तो कानून के हाथ बहुत छोटे हो जाते थे। मेरा भी एक बार उनसे सामना पड़ा। मेरे मकान के बराबर से एक आम रास्ता था। मुझे आम आदमी और आम रास्ता दोनों ही पसंद नहीं हैं। मेरे पास से आम आदमी गुजरे, यह मुझे गवारा नहीं था। नगर निगम गया तो वहां सभी ने एकमत होकर कहा कि मुक्तिदास जी को पकड़ो। मैंने मालूम किया कि वे कहां मिलेंगे। पता चला कि वे कैंटीन में मिल जाएंगे। कैंटीन में पहुंचा तो वे गरमा-गरम समोसे खाते हुए किसी को नेक सलाह दे रहे थे। मुझे देखकर बोले- 'आओ भाई बैठो, समोसे खाओगे। बड़े खस्ता हैं।' मैं बोला- 'नहीं समोसे का तेल गला पकड़ता है, इसलिए मैं समोसे नहीं खा पाऊंगा।' वे हंसकर बोले- 'क्या नाम है आपका। खैर जो भी हो, भाई समोसे का कोई तेल नहीं हुआ करता।

दृष्टि कोण

सत्ता के बिना तिनका-तिनका हुई टीएमसी

इंडिया गठबन्धन में ममता बैनर्जी को सबसे ताकतवर माना जाता था। वे अपने दम पर पिछले पन्द्रह साल से सत्ता पर काबिज थीं। उन्होंने बंगाल की शक्तिशाली पार्टी सीपीएम, जो लगातार पैंतीस साल से बंगाल पर एक छत्र राज कर रही थी, को पराजित किया था। कांग्रेस को बंगाल में धूल चटा दी थी। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में वे हार गईं। लेकिन हार का अर्थ यह नहीं कि सीपीएम और कांग्रेस की तरह वह शून्य पर सिमट गईं। विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस को अस्सी सीटें प्राप्त हुईं। अभी भी संसद में उसके पास चालीस के आसपास सांसद हैं। लेकिन उसके पास इस बार केवल एक चीज छिन्न गई। ममता बैनर्जी इतने विधायक नहीं जिता पाईं कि वे चौथी बार मुख्यमंत्री बन सकें। यह भी कोई अनोखी बात नहीं है। राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। इसलिए राजनीति में इसे सामान्य घटना ही माना जाता है। आखिर कांग्रेस ही कितने साल से लगातार हार रही है। चार प्रदेशों को छोड़ कर वह किसी भी प्रदेश में सत्ता में नहीं है। केरल में दस साल बाद सीपीएम सत्ता से बाहर हो गई है। लेकिन पार्टी सामान्य तरीके से काम-काज कर रही है। पर तृणमूल कांग्रेस के मामले में बिल्कुल उलटा हो रहा है। सत्ता की डोर टूटते ही मानो भूकम्प आ गया हो। तृणमूल की कायनात हिल गई हो। जगह जगह नगरपालिकाओं से, पंचायतों से, नगर निगमों से तृणमूल के सदस्य ममता को अपने इस्तीफे भेज रहे हैं। यहां तक कि कोलकाता नगर निगम के महापौर हकीम साहिब ने भी ममता से क्षमा मांग कर महापौर के पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि निगम में तृणमूल का बहुमत अभी भी है। तृणमूल के जिन नेताओं ने सरकारी स्कीमों का लाभ देने के लिए लाभार्थियों से कट मनी (रिश्वत) ली थी, वे लाउडस्पीकर लगा कर सार्वजनिक रूप से वह वापस कर रहे हैं। जिन भवनों पर तृणमूल के लोगों ने वर्षों से बलपूर्वक कब्जा कर रखा था, वे स्वयं खाली कर रहे हैं। कोलकाता में पार्टी के एक प्रवक्ता ने, जो मीडिया में गाली गलौज की भाषा में धमकाता रहता था, उसने यह कहते हुए क्षमा मांग ली कि यह उसे पार्टी के आदेश पर करना पड़ रहा था। ममता बैनर्जी को शायद इतने पर भी इस बात का

अंदाजा नहीं हो पाया कि बंगाल की आम जनता उनके कितनी खिलाफ है। दो दिन पहले उसने ऐलान कर दिया कि वे विशाल विरोध प्रदर्शन करेंगी, जैसा कि वे मुख्यमंत्री रहते हुए प्रायः करती रहती थीं। लेकिन उनके इस विरोध प्रदर्शन में जनता तो क्या, पार्टी के सांसद व विधायक भी नहीं पहुंचे। मीडिया और सुरक्षा बलों के लोग ज्यादा थे, आम जनता कम थी। जनता के आक्रोश की स्थिति यह हो गई कि पार्टी के नेताओं का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। ममता बैनर्जी खुद कोर्ट पहुंची तो लोगों ने चोर चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं, ममता बैनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि पार्टी की ओर से विधानसभा में विधायक दल का नेता सेवन देव चट्टोपाध्याय विपक्ष का नेता होगा। लेकिन पार्टी के अस्सी में से 58 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि कि उनका नेता ऋताब्रत होगा न कि चट्टोपाध्याय। विधानसभा अध्यक्ष ने बहुमत के आधार पर ऋताब्रत को विपक्ष के नेता के तौर पर मान्यता दे दी। ममता ने लोकसभा में कल्याण मुखर्जी को पार्टी का नेता मनोनीत किया, लेकिन पार्टी की ही एक महिला सांसद ने अध्यक्ष को लिखा कि मुखर्जी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। लेकिन क्या कारण है कि पन्द्रह साल की सत्ता, संसद में चालीस सदस्य, विधानसभा में अस्सी विधायक, इस सबके बावजूद पार्टी ताश के पत्तों की तरह क्यों बिखर गई? दरअसल जब कोई पार्टी राजनीतिक न रह कर, सत्ता के बल पर केवल लूट-खसोट करने का गिरोह मात्र बन जाए, तो सत्ता का गोंद हटते ही उसका बिखरना स्वाभाविक ही है। किसी भी राजनीतिक दल में उसके सदस्य और समर्थक किसी विचारधारा के कारण संगठित होते हैं।

फार्मूला–1 और लास वेगास के बीच 2037 तक करार अगले 10 वर्षों तक स्ट्रिप पर दौड़ेंगी रेस कारें

लास वेगास

फार्मूला–1 ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि प्रतिष्ठित लास वेगास ग्रां प्री अब 2037 तक आयोजित होती रहेगी। नए 10 वर्षीय विस्तार समझौते के तहत फार्मूला–1, लास वेगास ग्रां प्री इंक., क्लार्क काउंटी प्रशासन और लास वेगास कन्वेंशन एंड विजिटर्स अथारिटी (एलवीसीवीए) ने इस वैश्विक आयोजन के भविष्य को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित किया है।

2023 में फार्मूला–1 कैलेंडर में शामिल होने के बाद लास वेगास ग्रां प्री ने खुद को दुनिया के सबसे चर्चित मोटरस्पोर्ट आयोजनों में स्थापित किया है। लास वेगास स्ट्रिप के बीचोंबीच होने वाली यह रेस अब केवल खेल आयोजन नहीं बल्कि खेल, मनोरंजन, व्यवसाय और पर्यटन का वैश्विक मंच बन चुकी है।

6.2 किलोमीटर लंबे लास वेगास स्ट्रिप सर्किट पर ड्राइवर 322 किमी प्रति घंटे (200 मील प्रति घंटा) से अधिक की रफ्तार से दौड़ते हैं। यह ट्रैक बेलाजियो, सीज़र्स पैलेस, विन लास वेगास और द वेनेशियन रिज़ार्ट जैसे प्रतिष्ठित स्थलों के बीच से गुजरता है।

रेस के इतिहास में अब तक मैक्स वर्स्टैपेन ने दो बार (2023 और 2025) जीत हासिल की है, जबकि जार्ज रसेल ने 2024 में खिताब अपने नाम किया था। 2024 के आयोजन में कुल 113 ओवरटेक देखने को मिले थे और उसी वर्ष वर्स्टैपेन ने लगातार चौथा एफआईए फार्मूला–1 विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीता था।

आर्थिक प्रभाव के मामले में भी यह आयोजन बेहद सफल रहा है। 2023 से 2025 तक केवल तीन संस्करणों में इस ग्रां प्री ने दक्षिणी नेवादा की अर्थव्यवस्था में कुल 3.2 अरब डालर का योगदान दिया। सभी तीनों संस्करण पूरी तरह सोल्ड आउट रहे।

केवल 2025 में इस आयोजन से 4.3 करोड़ डालर का राज्य और स्थानीय कर राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें से 1.5 करोड़ डालर स्थानीय च–12 शिक्षा कार्यक्रमों के लिए निर्धारित किए गए।

इसके अलावा, लास वेगास ग्रां प्री फाउंडेशन ने अब तक गैर–लाभकारी संस्थाओं को 20 लाख डालर से अधिक का सहयोग दिया है और स्थानीय छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर भी उपलब्ध कराए हैं।

फार्मूला–1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा कि लास वेगास ने कम समय में खुद को अमेरिका में फार्मूला–1 की पहचान का प्रमुख केंद्र बना लिया है और यह विस्तार उस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

वहीं, लास वेगास ग्रां प्री इंक. की अध्यक्ष और सीईओ एमिली प्रेज़र ने कहा कि 2037 तक का विस्तार स्थानीय साझेदारियों की सफलता और समुदाय के सहयोग का परिणाम है। एलवीसीवीए के अध्यक्ष और सीईओ स्टीव हिल ने इसे लास वेगास और फार्मूला–1 दोनों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि यह आयोजन अब शहर की वैश्विक पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है।

न्यूज ब्रीफ

प्रीमियर लीगः लिवरपूल ने पूर्व बार्नमाउथ कोच एंडोनी इराओला को नया मैनेजर नियुक्त किया

लिवरपूल। प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल ने पूर्व बार्नमाउथ मैनेजर एंडोनी इराओला दो साल के अनुबंध पर टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। 43 वर्षीय इराओला डच कोच आर्ने स्लाट की जगह लेंगे। स्लाट ने अपने पहले सीजन में लिवरपूल को प्रीमियर लीग खिताब दिलाया था, लेकिन दूसरे सीजन में अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरने के कारण उन्हें पद से हटा दिया गया। नियुक्ति के बाद इराओला ने आधिकारिक बयान में कहा, लिवरपूल की ओर आकर्षित होने के लिए आपको बहुत ज्यादा कारणों की जरूरत नहीं होती। लिवरपूल, लिवरपूल है।लेकिन जाहिर तौर पर यहां का माहौल, समर्थक, क्लब, खिलाड़ी, शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों को कोचिंग देने का मौका और खिताब जीतने की लड़ाई में शामिल होने का अवसर — इससे अधिक आकर्षक कुछ नहीं हो सकता। ऐसा अवसर मिलना मुश्किल है। मैं शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हूं। स्पेन के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इराओला ने 2003 से 2015 तक एथलेटिक बिलबाओ के लिए खेला था। उन्होंने 2023 में बार्नमाउथ की कमान संभाली और क्लब के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया। 2024–25 सीजन में बार्नमाउथ ने 56 अंक हासिल किए और लीग में नौवां स्थान प्राप्त किया, जो उस समय क्लब का संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ शीर्ष डिवीजन प्रदर्शन था। इसके बाद इस सीजन में इराओला ने उस रिकार्ड को और बेहतर किया। उनकी अगुआई में बार्नमाउथ छठे स्थान पर रहा और टीम ने यूईएफए यूरोपा लीग के लिए क्वालिफाई किया। इराओला ने अप्रैल में क्लब छोड़ने की घोषणा कर दी थी। अब उनके सामने लिवरपूल जैसी बड़ी टीम को फिर से शीर्ष स्तर पर पहुंचाने की चुनौती होगी। पिछले सीजन में टीम पांचवें स्थान पर रही थी। साथ ही उन्हें मोहम्मद सलाह की कमी से भी निपटना होगा, जो पिछले एक दशक से टीम के प्रमुख गोल स्कोरर रहे हैं। यह नियुक्ति इराओला के कोचिंग करियर का अब तक का सबसे बड़ा अवसर मानी जा रही है और यह उनके प्रबंधकीय कौशल की भी बड़ी परीक्षा होगी।

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

मोहाली। पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है। इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ–साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

मुम्बई। 15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर आरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लास एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं। वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

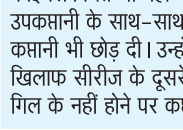

लार्ड्स टेस्ट : अब मूविंग डे तीसरे नहीं पहले दिन होता है–काइल जैमीसन

लंदन

लार्ड्स में इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को 16 विकेट गिरने के बाद न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने कहा कि आधुनिक टेस्ट क्रिकेट में अब पारंपरिक मूविंग डे तीसरे दिन नहीं, बल्कि पहले दिन ही आ गया है।

पहले दिन के खेल में दोनों टीमों के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। इंग्लैंड की पहली पारी सिर्फ 140 रन पर सिमट गई, जबकि जवाब में न्यूज़ीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए।

जैमीसन ने दिन के खेल के बाद कहा, शायद अब टेस्ट मैच का मूविंग डे तीसरे दिन से पहले दिन पर आ गया है। इस समय इसे पूरी तरह समझना मुश्किल है। सुबह हमें बल्लेबाजी में अभी काफी काम करना है और उसके बाद गेंदबाजी में भी फिर मौका मिलेगा।

न्यूज़ीलैंड की टीम दूसरे दिन इंग्लैंड से अभी भी 79 रन पीछे रहते हुए बल्लेबाजी शुरू करेगी और उसके केवल चार विकेट शेष हैं। टीम की कोशिश होगी कि किसी तरह इंग्लैंड के स्कोर के करीब पहुंचा जाए।

हालांकि, न्यूज़ीलैंड की चिंता तेज गेंदबाज मैट हेनरी की फिटनेस को लेकर भी बढ़ गई है। हेनरी पहले दिन केवल चार ओवर गेंदबाजी कर पाए और पीठ में ऐंठन के कारण मैदान छोड़ना पड़ा।

जैमीसन ने उम्मीद जताई कि हेनरी मैच में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा,

उनका मैदान छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। उम्मीद है कि इस टेस्ट में किसी समय हम उन्हें दोबारा गेंदबाजी करते देखेंगे।

खुद जैमीसन भी लंबे समय तक पीठ की चोट से जूझ चुके हैं। लार्ड्स टेस्ट उनके लिए 2024 के बाद पहला टेस्ट मैच है। पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वे लंबे समय तक बाहर रहे थे।

वापसी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अनुकूल गेंदबाजी परिस्थितियों में पांच विकेट अपने नाम किए।

अपनी वापसी पर जैमीसन ने कहा,

जब आप पूरी मेहनत करते हैं और फिर चोट दोबारा हो जाती है तो आप सोचते हैं कि आखिर गलती कहां हुई। लेकिन रिहैब प्रक्रिया और कारणों को समझने के बाद मुझे भरोसा मिला कि समस्या सिर्फ मुझमें नहीं थी, कई वजहें थीं जिनसे यह हुआ। जैमीसन की शानदार गेंदबाजी ने न्यूज़ीलैंड को मुकाबले में बनाए रखा है और अब दूसरे दिन दोनों टीमों के लिए मैच का रुख तय करने वाला साबित हो सकता है।

बाबर की संयमित पारी और शादाब की फिनिशिंग से पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया, 3 मैचों की वनडे सीरीज पर किया 2-1 से कब्जा

लाहौर। आस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक वनडे मुकाबले में पाकिस्तान ने शानदार वापसी करते हुए गुरुवार देर रात 4 विकेट से जीत दर्ज की। कम स्कोर वाले मुकाबले में पाकिस्तान ने लक्ष्य हासिल कर तीन मैचों की वन डे सीरीज अपने नाम कर ली। दूसरे वनडे में 231 रन का सफल बचाव करने के बाद आस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस ने निर्णायक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। उम्मीद थी कि टीम फिर से चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाएगी, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 157 रन पर सिमट गई। आस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही जब शाहीन अफरीदी ने शुरुआती ओवर में ही मैथ्यू शार्ट को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने पारी संभाली और सबसे अधिक 65 रन (71 गेंद) बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। इंग्लिस ने मार्नस लाबुशेन और बाद में एलेक्स कैरी के साथ साझेदारियां बनाकर टीम को 100 रन के करीब पहुंचाया, लेकिन उनके आउट होते ही आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी ढह गई। आस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय 119/3 था, लेकिन इसके बाद टीम ने केवल 37 रन जोड़कर आखिरी 7 विकेट गंवा दिए और 157 रन पर आलआउट हो गई। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट लिए। स्पिनरों ने भी शानदार भूमिका निभाई। अबरार अहमद ने 10 ओवर में केवल 19 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि शादाब खान ने भी 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत आक्रामक रही। माज सादाकत ने तेज बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत में रन गति बनाए रखी, लेकिन आस्ट्रेलिया ने लगातार विकेट लेकर मुकाबले को रोचक बना दिया। इस दौरान बाबर आजम ने बेहद संयमित बल्लेबाजी करते हुए 84 गेंदों पर 40 रन बनाए और टीम की जीत की नींव रखी। आस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार झटके दिए। उन्होंने 3 विकेट लेकर पाकिस्तान को दबाव में ला दिया। एक समय पाकिस्तान 119/5 पर संघर्ष कर रहा था, लेकिन अब्दुल समद (18)* और शादाब खान (29)* ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए टीम को 42वें ओवर में जीत दिला दी। संक्षिप्त स्कोर: आस्ट्रेलिया: 157 आलआउट (42 ओवर) — जोश इंग्लिस 65; शाहीन अफरीदी 3/30, अबरार अहमद 2/19, शादाब खान 2/28, पाकिस्तान: 161/6 (41.5 ओवर) — बाबर आजम 40, शादाब खान 29*; मैथ्यू कुहनेमन 3/38, परिणाम: पाकिस्तान 4 विकेट से विजयी।

रोम डायमंड लीग 2026

नोहा लाइल्स ने 100 मीटर रेस जीता, रुमेश पाथिरागे ने भाला फेंक में रचा इतिहास

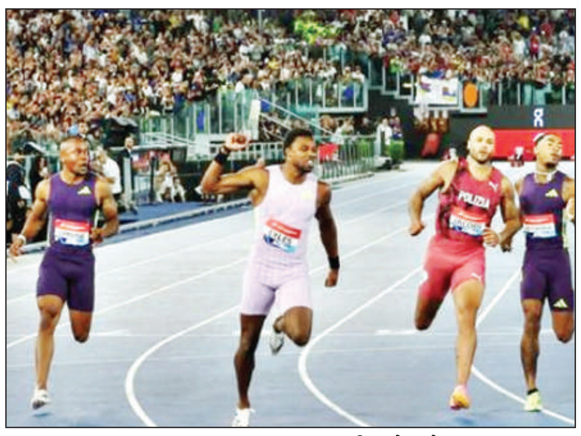

रोम

ओलंपिक चैंपियन नोहा लाइल्स ने गुरुवार को रोम डायमंड लीग 2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने भाला फेंक में ऐतिहासिक प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। लाइल्स ने 100 मीटर दौड़ 9.88 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण स्थान हासिल किया।

कैमरून के इमैनुएल एसेमे दूसरे और बोत्सवाना के लेट्सिले टेबोगो तीसरे स्थान पर रहे। इटली के पूर्व ओलंपिक चैंपियन मार्सेल जैकब्स पांचवें स्थान पर रहे।

पाथिरागे ने बनाया नया इतिहास – भाला फेंक स्पर्धा में श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे ने 92.62 मीटर का थ्रो कर प्रतियोगिता जीत ली और इस स्पर्धा की सर्वकालिक सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए।

उन्होंने मार्च में बनाए अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.37 मीटर को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि वे अभी भी महान चेक खिलाड़ी यान जेलेज़्नी के 98.48 मीटर विश्व रिकार्ड से पीछे हैं।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स दूसरे और अमेरिका के कर्टिस थाम्पसन तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 200 मीटर में जूलियन अल्फ्रेड ने पलटा मुकाबला महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में जूलियन अल्फ्रेड ने विश्व चैंपियन मेलिसा जेफरसन–वूडेन को हराते हुए पहला स्थान हासिल किया। अल्फ्रेड ने 21.93 सेकंड में दौड़ पूरी की, जबकि जेफरसन–वूडेन दूसरे और अनाविया बैटल तीसरे स्थान पर रहीं।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयर अय्यर बनेंगे भारतीय टी20 टीम के कप्तान

मुम्बई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गत दिवस भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स कमेटी की बैठक में श्रेयस को कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला हो गया। श्रेयस को शनिवार को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तान बनाये जाने की घोषणा होगी। अय्यर शनिवार को बीसीसीआई की चयन बैठक में शामिल होंगे। इसमें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ–साथ एशियाई खेलों के लिए भी टीम चयन होगा। ध्यान रहे कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से 498 रन बनाये थे। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उसे आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा।

दिल्ली प्रो वालीबाल लीग के फेज–2 ट्रायल्स 7 जून को पहले चरण की सफलता के बाद बढ़ाया गया दायरा

नई दिल्ली

दिल्ली प्रो वालीबाल लीग (डीवीपील) ने अपने पहले चरण के सफल आयोजन के बाद अब दूसरे चरण के ट्रायल्स की शुक्रवार को घोषणा कर दी है। फेज–2 ट्रायल्स 7 जून (रविवार) को सुबह 8:00 बजे से लक्ष्मी पब्लिक स्कूल, कड़कड़डूमा, दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे।

लीग के पहले चरण के ट्रायल्स को खिलाड़ियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। आयोजकों के अनुसार, जिन खिलाड़ियों को पुष्टि काल प्राप्त हुई थी, उनमें 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई, जो लीग के पहले सीजन को लेकर खिलाड़ियों के उत्साह को दर्शाता है।

अब डीपीवीएल ने अपनी प्रतिभा खोज प्रक्रिया को दिल्ली से बाहर उत्तर भारत के अन्य राज्यों तक विस्तार दिया है। फेज–2 ट्रायल्स के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और जम्मू–कश्मीर सहित सात राज्यों और क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है।

आयोजकों को उम्मीद है कि इस चरण में उत्तर भारत की कई उभरती हुई वालीबाल प्रतिभाएं अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगी।

सभी ट्रायल चरणों के पूरा होने के बाद चयनित खिलाड़ियों को आधिकारिक प्लेयर आक्शन में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जहां लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने–अपने स्क्वाड का चयन करेंगी।

दिल्ली प्रो वालीबाल लीग खुद को भारत की पहली महिला–नेतृत्व वाली पेशेवर वालीबाल लीग के रूप में स्थापित कर रही है। लीग का उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए एक संरचित मंच तैयार करना, प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना और वालीबाल को अधिक पेशेवर पहचान दिलाना है।

इस वर्ष की शुरुआत में दिल्ली वालीबाल एसोसिएशन और दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से शुरू की गई इस लीग का लक्ष्य भारत में वालीबाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए मजबूत अवसर तैयार करना है।

नार्वे शतरंज 2026: प्रज्ञानानंद ने आल-इंडियन मुकाबले में गुकेश को हराया, खिताबी दौड़ में बरकरार

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 के नौवें दौर में शुक्रवार को रोमांच चरम पर पहुंच गया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब की दौड़ को अंतिम दौर तक जीवित रखा। वहीं महिलाओं की प्रतियोगिता में बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया।

ओपन वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और अंतिम दौर से पहले अपनी बढ़त बनाए रखी।

दिन का सबसे बड़ा परिणाम भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में देखने को मिला। काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने गुकेश को पराजित किया। मध्य खेल (मिडल गेम) में दबाव बनाने के बाद प्रज्ञानानंद ने शानदार तरीके से मैच अपने नाम किया और पूरे तीन अंक हासिल किए।

इस जीत के बाद प्रज्ञानानंद के 15 अंक हो गए हैं और वे अब शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो से केवल आधा अंक पीछे हैं। दूसरी ओर, फ्रांस के अलीरजा फिरोजज़ा भी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में कठिन स्थिति से वापसी की और बाद में आर्मागेडन में विन्सेंट कीमर को हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

नौवें दौर के बाद अंक तालिका:

- वेस्ली सो — 15.5 अंक
- प्रज्ञानानंद — 15 अंक
- अलीरजा फिरोजज़ा — 14.5 अंक

महिलाओं में बिबीसारा बनीं चैंपियन

महिला वर्ग में कजाकिस्तान की बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर पहले ही नार्वे शतरंज महिला खिताब जीत लिया।

उन्होंने यूक्रेन की अन्ना मुज़ीचुक के खिलाफ क्लासिकल मुकाबला ड्रा खेला। बाद में आर्मागेडन में मुज़ीचुक ने अतिरिक्त अंक तो हासिल किए, लेकिन इसके बावजूद बिबीसारा की बढ़त गणितीय रूप से अजेय हो गई।

महिला वर्ग में दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत चीन की झू जिनर ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दर्ज की।

वहीं भारत की कोनेरू हम्पी) और मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा, लेकिन आर्मागेडन में जू वेनजुन ने जीत हासिल की।

महिला वर्ग अंक तालिका (राउंड 9 के बाद):

- बिबीसारा अस्साउबायेवा — 16.5 अंक (चैंपियन)
- झू जिनर — 13 अंक
- अन्ना मुज़ीचुक — 12 अंक।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अर्बन डांस वर्ल्ड के 23वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुईं आरोही रावत

समर डांस कैंप की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अर्बन डांस वर्ल्ड एवं समर डांस कैंप के 23वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्री पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, नामपल्ली में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन की संस्थापक सुश्री आरोही रावत ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया और अपनी प्रेरणादायी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। सामाजिक सेवा एवं युवा विकास के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाली आरोही रावत ने समर डांस कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कला, रचनात्मकता और युवा सशक्तिकरण समाज के विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं तथा वे सदैव इन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगी।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात अर्बन डांस वर्ल्ड के विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक एवं नृत्य प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतिभागियों की ऊर्जा, कला कौशल और मंच प्रस्तुति को उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में प्रख्यात निर्देशक एवं कोरियोग्राफर सुदर्शन जेएनडी रेड्डी, डॉ. जक्का, श्री कृष्ण राव सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।वक्ताओं ने अर्बन डांस वर्ल्ड की सराहना करते हुए कहा कि संस्था पिछले 23 वर्षों से हजारों युवाओं के बीच नृत्य कला को प्रोत्साहित कर रही है तथा अनेक प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच प्रदान कर उन्हें नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

समारोह के अंत में आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा साधना समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम : सुभाष भगेरिया

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित सेवा कार्यक्रम में सेवा, संस्कार और सामाजिक एकता का प्रेरणादायी संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों ने मानव सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष भगेरिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और मानवीय मूल्यों का एक ऐसा परिवार है जो बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने-अपने दायरों तक सीमित होते जा रहे हैं, ऐसे दौर में राधे-राधे ग्रुप लोगों को जोड़ने, प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने तथा सेवा के माध्यम से समाज को एक नई दिशा देने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी भूखे को भोजन कराना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना और किसी निराश व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना सबसे बड़ा पुण्य है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना के साथ नियमित रूप से सेवा कार्यों में जुटे रहते हैं। यह कार्य केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग, अपनत्व और सामाजिक समरसता का संदेश भी देता है। जब समाज का सक्षम वर्ग जरूरतमंद लोगों के साथ खड़ा होता है, तभी एक मजबूत और संवेदनशील समाज का निर्माण संभव हो पाता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, सहयोग और परस्पर विश्वास में निहित होती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इन मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। संगठन के माध्यम से विभिन्न आयु वर्ग, व्यवसाय और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग एक मंच पर आकर मानव सेवा का संदेश दे रहे हैं, जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, जयप्रकाश सरड़ा, भगतराम गोयल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दहिमा, रोहित अग्रवाल, सुमनलता अग्रवाल, ई. जगन चंपापेट, मनीष अग्रवाल, कैलाशचंद केड़िया, निर्मला केड़िया, युवान केड़िया, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकरराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, नंदकिशोर अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल एवं सुभाष भगेरिया सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे तथा सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का समापन समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग और सेवा की भावना को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

एप्पल डेज का शुभारंभ

अभिनेत्रियों और गैजेट प्रेमियों की मौजूदगी में ऑफर्स की बौछार

हैदराबाद, 5 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

भारत की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर कंपनी बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपने सबसे लोकप्रिय और बहुप्रतीक्षित ऑफर एप्पल डेज की शुरुआत की घोषणा कर दी है। बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स का यह प्रसिद्ध एप्पल डेज दि. 05 से शुरू होकर 15 जून, 2026 तक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश (ए.पी.) के सभी बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स पर लाइव रहेगा। इस एप्पल डेज के तहत ग्राहकों को आईफोन, मैकबुक , आईपैड, एप्पल वॉच और एयरपॉड्स जैसे प्रीमियम एप्पल प्रोडक्ट्स पर बेहद आकर्षक और न चूकने वाले ऑफर्स दिए जा रहे हैं।

शुक्रवार को हैदराबाद स्थित बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर पर इस भव्य फेमस एप्पल डेज का शानदार लॉन्च किया गया। इस उद्घाटन समारोह में दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री राशि सिंह और अभिनेत्री आद्या रेड्डी विशेष रूप से मौजूद रहीं। उ

डिजायर डिजाइनर एग्जीबिशन का भव्य आगाज

हैदराबाद, 5 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): अपने बेहतरीन और प्रेरणादायी फैशन डिजाइन्स के लिए देश भर में मशहूर, भारत की प्रतिष्ठित फैशन प्रदर्शनी डिजायर एक बार फिर शहर में लौट आई है। अपनी अनोखी, आकर्षक और बहुप्रतीक्षित शैली के लिए पहचानी जाने वाली यह तीन दिवसीय प्रीमियम प्रदर्शनी हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित आ-लीशान होटल ताज कृष्णा में 5, 6 और 7 जून, 2026 तक आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी के बारे में जानकारी देते हुए डिजायर डिजाइनर एग्जीबिशन की मुख्य आयोजक अनीता अग्रवाल ने बताया कि 5 से 7 जून तक चलने वाले इस तीन दिवसीय विशेष आयोजन में देश भर के बेहतरीन डिजाइन्स को एक ही छत के नीचे लाया गया है। डिजायर प्रदर्शनी में इस बार उत्पादों की एक समृद्ध और विविध श्रृंखला पेश की जा रही है। इसमें भव्य फेस्टिव और वेडिंग स्पेशल (त्योहारों व शादियों के विशेष) परिधान, कस्टमाइज्ड हाउते कॉउचर (पसंदीदा उच्च फैशन वस्त्र), डिजाइनर फैशन इनसेंबल्स, एक्सक्लूसिव लाइफस्टाइल डेकोर, लेटेस्ट और क्रिएटिव एक्सेसरीज, मनमोहक आभूषण समेत कई अन्य प्रीमियम उत्पाद शामिल हैं।

राहत सेवा शिविर से बच्चों और जरूरतमंदों को मिली राहत

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेवा और परोपकार के कार्यों में सदैव अग्रणी रहने वाली 'सेवा परमो धर्म' संस्था द्वारा मड़फोर्ड अंबेडकर हट्स (गनरॉक एन्क्लेव के पास) में एक विशेष राहत सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के इस मौसम में आमजन एवं जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा आइसक्रीम वितरण शिविर आयोजित किया गया।

प्रातः 11:30 बजे प्रारंभ हुए इस सेवा शिविर में अंबेडकर हट्स एवं आसपास के क्षेत्रों के बच्चों, राहगीरों तथा जरूरतमंद लोगों के बीच लगभग 500 आइसक्रीम वितरित की गईं। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच ठंडी एवं स्वादिष्ट आइसक्रीम पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे, वहीं अन्य लाभार्थियों ने भी इस पहल की सराहना की।

संस्था के सदस्यों ने कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों तक राहत पहुंचाना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। गर्मी के मौसम में इस प्रकार के सेवा कार्य न केवल लोगों को तत्काल राहत प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में सेवा एवं संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत बनाते हैं।

कार्यक्रम के सफल समापन पर संस्था की सक्रिय सदस्य श्रीमती शीतल जैन ने उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों, सेवाभावी साथियों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति, समर्पण एवं सहयोग के कारण ही यह सेवा कार्य सफल और सार्थक रूप से संपन्न हो सका।

शिविर के दौरान संस्था परिवार के अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुचारू एवं अनुशासित ढंग से संचालित किया।

स्थानीय नागरिकों एवं लाभार्थियों ने 'सेवा परमो धर्म' संस्था की इस मानवीय एवं जनहितकारी पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए संस्था के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत...

अमेरिका दावा करता है कि इससे मिलने वाली कमाई से मॉस्को को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध चलाने में मदद मिल रही थी। कार्यक्रम में जब पुतिन से पूछा गया कि क्या रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग कर दिया गया है, तो उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशें नाकाम रही हैं और मॉस्को दुनिया भर के देशों के साथ मज़बूत संबंध बनाए हुए है। बता दें कि यूक्रेन युद्ध की वजह से अमेरिका समेत यूरोप के कुछ देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की पश्चिम की कोशिशों पर प्रतिक्रिया देते हुए पुतिन ने कहा कि एक मज़बूत और संप्रभु देश को खुद को अलग-थलग या बंद नहीं किया जा सकता। हमें अपने विदेशी साझेदारों के साथ संबंध बनाने, सहयोग स्थापित करने और सीमा-पार की परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की जरूरत है। हम अपनी सड़कों और रेलमार्गों के विस्तार की योजनाओं पर काम करना जारी रखेंगे।

पुतिन ने साफ तौर पर कहा कि रूस को अलग-थलग करने की नीति पिछली अमेरिकी सरकार ने शुरू की थी और बाद में यूरोपीय देशों ने इसका समर्थन किया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह रणनीति नाकाम रही। पुतिन ने कहा कि वे कभी भी हमें अलग-थलग नहीं कर सके।

पुतिन ने कहा कि तनाव के बावजूद कई क्षेत्रों में रूस और पश्चिमी देशों के बीच आर्थिक सहयोग जारी रहा। उन्होंने ऊर्जा परियोजनाओं और अमेरिका को यूरेनियम के निर्यात का उदाहरण दिया। पुतिन ने कहा, अमेरिकी लोग व्यावहारिक होते हैं। जब भी उन्हें फ़ायदा होता है, सहयोग जारी रहता है।

पुतिन ने यह भी दावा किया कि जिन देशों ने आधिकारिक तौर पर रूसी परियोजनाओं को हटाने की घोषणा की थी, वे अब भी इन प्रोजेक्ट में शामिल हैं, खासकर रूस के सुदूर पूर्व में एनर्जी सेक्टर से जुड़े कामों में। रूसी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि मॉस्को अपने सहयोगियों, पड़ोसियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर काम करना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा, हमें ज़्यादा नुकसान नहीं हुआ है। हमने कभी भी खुद को किसी से दूर नहीं किया है।

रूसी अर्थव्यवस्था के बारे में पुतिन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि रूस निवेशकों के लिए आकर्षक बना रहेगा।

पुतिन का ...

हमारे साथ वे लोग होंगे जो हमारा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको भी अपने अस्तित्व के लिए और भी ज्यादा संघर्ष करना होगा- रूस के लिए नहीं, बल्कि अपने लिए। और यह धमकी न तो मेरी ओर से है और न ही यूक्रेन की ओर से। यह रूसी इतिहास का एक तथ्य है जिसे आप अच्छी तरह जानते हैं: जब रूस थक जाता है, तो बदलाव आता है। हम उस थकान की ओर काम कर सकते हैं। आप अपना युद्ध रोक सकते हैं।

ज़ेलेंस्की ने कहा- आप अभी भी रूस के लोगों को इस तरह जीने के लिए मजबूर कर सकते हैं। लेकिन आपके संसाधन काफी कम हो रहे हैं। आपके पास रूस के लोगों की वफादारी को उस तरह से खरीदने के लिए पर्याप्त धन या राजनीतिक पूंजी नहीं होगी, जिस तरह से आपने पिछले 26 वर्षों से किया है। और हम यह सुनिश्चित करने की हर संभव कोशिश करेंगे कि दुनिया उस वक्त को करीब लाने में मदद करे।

ज़ेलेंस्की ने कहा- जैसा कि आप खुद कहना पसंद करते हैं, हमें आंकड़ों की जांच करनी होगी। कल, मुझे मई के दौरान यूक्रेन मोर्चे पर आपकी सेना के नुकसान की एक रिपोर्ट मिली। एक बार फिर, मारे गए और गंभीर रूप से घायल रूसी सैनिकों की संख्या 30,000 से अधिक हो गई है। हम महीने दर महीने इस स्तर को बनाए रख रहे हैं, और हमारे पास आपके हर नुकसान का वीडियो सबूत है- ये बेकार के दावे नहीं हैं। हम जानते हैं कि आपके युद्धक्षेत्र में होने वाली हानियों में से 63 प्रतिशत सैनिक मारे जाते हैं, जबकि केवल 37 प्रतिशत घायल होते हैं। 21वीं सदी में कोई भी सेना इस अनुपात को बर्दाश्त नहीं कर सकती। और मृतकों का अनुपात लगातार बढ़ता रहेगा। ऐसा नहीं है कि यूक्रेन रूस के सैनिकों के भाग्य को लेकर चिंता में है। लेकिन मैं यूक्रेनियों की परवाह करता हूं।

दूसरी ओर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को ब्रिक्स संगठन की जमकर तारीफ की है। सितंबर में भारत आएँगे पुतिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस दौरान भारत को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा- हमारा एक और महत्वपूर्ण साझेदार भारत है, जो आईटी उद्योग में सबसे आगे चल रहे देशों में से एक है।

मोदी ...

इसमें जन शिकायत के समाधान और सुधारों को लेकर पांच सबसे बेहतरीन मंत्रालयों के नाम भी बताए गए थे। फाइलों को निपटाने में लगने वाले समय और अदालतों में लंबित मामलों को लेकर भी मंत्रालयों को कसौटी पर कसा गया था। माना जा रहा है कि मंत्रिपरिषद में फेरबदल में यह आकलन एक बड़ी भूमिका निभाएगा।

माना जा रहा है कि मोदी मंत्रिपरिषद में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, क्योंकि वहां बीजेपी ने पहली बार सरकार बनाई है। इसी तरह बिहार से कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को जगह मिलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश से भी कुछ नए चेहरे आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार सहयोगी दलों का कोटा फिलहाल मौजूदा स्तर पर ही रहेगा। यानी सहयोगी दलों से कोई नया मंत्री बनाए जाने की संभावना नहीं है। सत्तर वर्ष के अधिक उम्र के कुछ मंत्रियों की छुट्टी होने की संभावना है। कुछ मंत्रियों को पार्टी संगठन में भेजे जाने की भी चर्चा है। कहा जा रहा है कि इस बार मंत्रिपरिषद का फेरबदल बड़े स्तर पर होगा, जिसमें कई चौंकाने वाले नाम हो सकते हैं।

वर्तमान में केंद्रीय मंत्रिपरिषद में 72 सदस्य हैं, जबकि अधिकतम संख्या 81 तक हो सकती है। ऐसे में नए चेहरों को शामिल करने के साथ-साथ कुछ मौजूदा मंत्रियों के प्रदर्शन के आधार पर बदलाव की संभावना जताई जा रही है। माना जा रहा है कि आगामी समय में होने वाले सात राज्यों के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जा सकता है, जिसमें क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन साधने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पाक योजना ...

कार्यकर्ताओं पर दबाव बढ़ रहा है। मिर्जा ने कहा कि गिलगित-बाल्टिस्तान अवामी एक्शन कमेटी के कई नेत-ाओं और सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल में डाला गया है, ताकि वे राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आर्थिक अधिकारों की मांग न कर सकें।मिर्जा ने यह भी दावा किया कि 1947 से पाकिस्तान के सख्त नियंत्रण और लगातार प्रचार के बावजूद गिलगित-बाल्टिस्तान के लोगों में वहां की स्थिति को लेकर गहरा असंतोष मौजूद है। उनके मुताबिक, लोगों में राजनीतिक अधिकारों और आजादी को लेकर नाराजगी बढ़ रही है और विरोध की भावना बनी हुई है। भारत ने अपने बयान में दोहराया कि पाकिस्तान को उन क्षेत्रों से हटना चाहिए जिन पर उसका अवैध कब्जा है, और किसी भी तरह की चुनावी प्रक्रिया या प्रशासनिक बदलाव इस कानूनी स्थिति को नहीं बदल सकते।

नहीं ...

इससे पहले टीएमसी ने बुधवार को पार्टी की सभी कमेटियां और फ्रंटल संगठनों को भंग कर दिया था। शुक्रवार की बैठक में पार्टी की सभी कमेटियों का पुनर्गठन किया गया। इसके तहत अभिषेक बनर्जी को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। अभिषेक पहले भी इसी पद पर थे। टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन को संयुक्त सचिव बनाया गया है। ये दोनों नेता अभिषेक बनर्जी की मदद करेंगे।

विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी का चर्चित चेहरा रहने वाली सयानी घोष को टीएमसी यूथ विंग का अध्यक्ष बनाया गया है। वे पहले भी इस पद पर थीं। माला रॉय को महिला टीएमसी का अध्यक्ष बनाया गया है। चंद्रिमा भट्टाचार्य को पश्चिम बंगाल टीएमसी का अध्यक्ष बनाया गया है। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में टीएमसी के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने के स्पीकर के फैसले का विरोध किया है। पार्टी नेता कल्याण बनर्जी ने कहा कि स्पीकर का ये फैसला अवैध है और इसे हम स्वीकार नहीं करते। इस फैसले के खिलाफ हम सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा, बीजेपी जिस तरह से टीएमसी कार्यकर्ताओं की हत्या कर रही है और उन पर झूठे केस दर्ज कर रही है, हम उसके खिलाफ लड़ेंगे। हम सड़कों पर लड़ेंगे, हम कोर्ट में लड़ेंगे।

कल्याण बनर्जी ने कहा कि उन 59 विधायकों को पहले लोगों के पास जाकर उनसे इजाज़त लेनी चाहिए। ममता बनर्जी ही मुख्य व्यक्ति हैं। उन विधायकों की कोई अहमियत नहीं है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे अपने चुनाव क्षेत्र में जाएं, कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करें और उनसे इजाज़त लें कि ममता बनर्जी उनकी नेता नहीं हैं। मैं उन्हें चुनौती देता हूं।

टीएमसी ने यह भी कहा है कि इंडिया ब्लॉक की मीटिंग में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी शामिल होंगे।

सांसद बना...

तृणमूल कांग्रेस के भीतर यह संकट केवल सत्ता से बाहर होने का नहीं, बल्कि नेतृत्व की एकछत्र सत्ता पर उठे सवालों का है। हालांकि असंतुष्ट विधायक अब भी ममता बनर्जी के नेतृत्व को स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन ममता के भतीजे और राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी के प्रति खुला विरोध सामने आया है। हालांकि पार्टी नेतृत्व का दावा है कि अभी सांसदों के बीच किसी संगठित विद्रोह के संकेत नहीं हैं, लेकिन यह चिंता गहराती जा रही है कि विधानसभा का संकट लोकसभा और राज्यसभा तक जा सकता है।

तृणमूल के पास वर्तमान में लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, और किसी भी तरह की टूट से विपक्षी राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हो सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि गुटबाजी बढ़ती है और मामला चुनाव आयोग तक पहुंचता है, तो पार्टी के प्रतीक 'घास-फूल' पर किसका अधिकार होगा। यह प्रतीक केवल एक चुनाव चिन्ह नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी के आंदोलन की पहचान माना जाता है, जिसने वाम मोर्चे के 34 वर्षों के शासन का अंत किया था।

घुसपैठ नाकाम...

इस घटना की खबर फैलते ही सीमावर्ती इलाकों के लोगों में घबराहट फैल गई। बॉर्डर पार बांग्लादेशियों को जमा होते देख लोगों को लगा कि इससे टकराव की नौबत आ सकती है। बता दें कि पश्चिम बंगाल सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया है। सरकार बंगाल से चुन चुनकर बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर कर रही है। भारत की ओर से बॉर्डर पर सैकड़ों बांग्लादेशी घुसपैठिए कई दिनों से वतन वापसी का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन बांग्लादेश इन्हें अंदर आने ही नहीं दे रहा है। इन सब के बीच कूचबिहार में बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ की कोशिश हुई है।

स्थानीय लोगों की ओर से जब जीरो पॉइंट पर बांग्लादेशियों के जमावड़े की सूचना बीएसएफ को दी गई तो बीएसएफ ने तुरंत एक्शन लिया और अर्द्धसैनिक बलों की एक टीम मौके पर पहुंच गई और भारत में घुसने की इनकी कोशिश को नाकाम कर दिया।

मेखलीगंज के बीजेपी विधायक ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के एक समूह ने तीन बीघा के रास्ते भारत में घुसने की कोशिश की। बीएसएफ ने उनकी इस कोशिश को नाकाम कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश की ओर से किसी भी कीमत पर घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थानीय प्रशासन और बीएसएफ ने लोगों से कहा है कि वे अलर्ट रहें और घुसपैठ की तत्काल सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को दें। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी भी हालात का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं और सीमा पर सुरक्षा और भी कड़ी कर दी गई है।

कूचबिहार जिले में बांग्लादेश के साथ लगभग 549 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जो भारत की सबसे जटिल और संवेदनशील सीमाओं में से एक मानी जाती है। इस लंबी सीमा में कई नदियां बहती हैं जहां फेंसिंग लगाना बहुत मुश्किल होता है। तीस्ता, जलढाका, तोर्सा और कालजानी जैसी नदियां यहां सीमा को पार करती हैं, जिससे रात के अंधेरे में नावों के जरिए आसानी से घुसपैठ हो जाती है। ये इलाके अभी भी भौगोलिक रूप से इतने उलझे हुए हैं कि निगरानी करना चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। यही सब कारण मिलकर कूचबिहार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ, तस्करी और अवैध आवागमन के लिए सबसे उपयुक्त जगह बनाते हैं। सरकार अब फेंसिंग को और भी सघन करने और ड्रोन, कैमरा जैसी आधुनिक निगरानी व्यवस्था लगाने की कोशिश कर रही है।

फूंक डाले ...

इसी अवधि के दौरान, सरकार ने परियोजना निर्माण कार्यों पर केवल 22,000 करोड़ खर्च किए, जिसमें पालमुरु परियोजना के लिए 8,000 करोड़ शामिल हैं।

केसीआर के किताबें पढ़ने के दावे पर तंज

बीआरएस नेताओं के उन दावों पर चुटकी लेते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके कार्यकाल में पालमुरु परियोजना का 90% काम पूरा हो चुका था, रेवंत रेड्डी ने कहा, परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 55,000 करोड़ थी और केवल 27,000 करोड़ खर्च किए गए थे। ऐसे में 50% से भी कम खर्च में 90% काम कैसे पूरा हो सकता है?

केसीआर के 80,000 किताबें पढ़ने के दावों पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे बीआरएस के इस दावे के पीछे का विज्ञान या गणित समझ नहीं आता। मैंने केसीआर की तरह 80,000 किताबें नहीं पढ़ी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान पालमुरु परियोजना के लिए भू-अधिग्रहण पूरा नहीं हुआ था और पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले में लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अभी भी लगभग 4,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना बाकी है। उन्होंने किसानों और स्थानीय निवासियों से सरकार का सहयोग करने की अपील की और आश्वासन दिया कि भले ही सरकार को अधिक भुगतान करना पड़े, लेकिन मुआवजा और पुनर्वास के मुद्दों को प्राथमिकता से हल किया जाएगा।

इससे पहले दिन में, रेवंत रेड्डी ने पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना की समीक्षा के तहत नार्लापुर हेड रेगुलेटर का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ बातचीत की और उन्हें सभी लंबित कार्यों में तेजी लाने तथा परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

केसीआर 1000 के बंद नोट जैसे

मुख्यमंत्री ने बीआरएस को एक ऐसी परियोजना बताने की चुनौती दी जिसे उसने खुद शुरू और पूरा किया हो। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर ने केवल प्राणहिता-चेवेल्ला जैसी परियोजनाओं का नाम बदला और उनका राजनीतिक व वित्तीय लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि कालेश्वरम परियोजना के ढह जाने और उससे एक बूंद पानी न मिलने के बाद भी तेलंगाना ने धान का रिकॉर्ड उत्पादन किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 06 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्रीमद्भागवत कथा में सत्संग और भगवत भक्ति का बताया महत्व

भगवान की भक्ति से जीवन होता है सफल सार्थक और धन्य : पं. मनोज त्रिवेदी

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री विशा मोड गौभूजा समाज वाड़ी में परम पावन पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

कथा के दौरान व्यासपीठ पर आसीन पंडित मनोज त्रिवेदी जी श्रीमाली ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवत भक्ति एवं सत्संग के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि जीव मात्र को सदैव भगवान की भक्ति में लीन रहना चाहिए, क्योंकि भगवत भक्ति ही संसार रूपी भवसागर से पार लगाने वाली है।

भगवान की भक्ति से मनुष्य के भीतर आत्मबल का विकास होता है तथा परमात्मा की कृपा से वह जीवन के अनेक संकटों से सुरक्षित रह सकता है।

ईश्वर की भक्ति ही मनुष्य के जीवन को सफल, धन्य और सार्थक बनाती है।

पंडित मनोज त्रिवेदी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी कहा है–

बिनु सत्संग विवेक न होई,
राम कृपा बिनु सुलभ न सोई।

उन्होंने बताया कि सत्संग मनुष्य के जीवन में विवेक, सद्बुद्धि और सकारात्मक सोच का संचार करता है। जीव मात्र को सदैव सत्संग करना चाहिए तथा अच्छे और संस्कारित लोगों का साथ अपनाना चाहिए। यह सौभाग्य भी भगवान की कृपा से ही प्राप्त होता है।

अच्छे लोगों का संग बदल देता है जीवन

उन्होंने कहा कि सत्संग केवल धार्मिक आयोजन में बैठने का नाम नहीं है, बल्कि ऐसे लोगों के संपर्क में रहना भी सत्संग है जिनके आचार, विचार, व्यवहार और जीवन मूल्य श्रेष्ठ हों। ऐसे व्यक्तियों का संग मनुष्य को बुराइयों से दूर कर भगवान के चरणों में प्रेम एवं श्रद्धा बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

पंडित जी ने कहा कि सच्चे भाव से किया गया सत्संग जीवन की दिशा बदल देता है। अच्छे लोगों के साथ बैठने से अच्छे विचार, उत्तम ज्ञान और सकारात्मक प्रेरणा प्राप्त होती है, जिससे जीवन शैली में परिवर्तन आता है और मनुष्य आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होता है।

कथा के दौरान श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा एवं भक्ति भाव से भगवान की महिमा का श्रवण कर रहे हैं तथा पुरुषोत्तम मास में आयोजित इस धार्मिक आयोजन का आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

हिन्दी मासिक 'अग्रमंच' के मई अंक का हुआ लोकार्पण

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाजसेवी डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा प्रकाशित मासिक हिन्दी पत्रिका 'अग्रमंच' के मई अंक का लोकार्पण एक गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पत्रिका की कार्यकारी संपादक डॉ. सुमन सराफ विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर प्रमुख समाज सेविका एवं अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की महिला समिति की प्रधान संयोजिका सरला अग्रवाल ने 'अग्रमंच' के मई अंक का विधिवत लोकार्पण किया।

उन्होंने पत्रिका के निरंतर प्रकाशन तथा समाज, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उसके योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि 'अग्रमंच' हिन्दी भाषा, साहित्य, सामाजिक सरोकारों तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पत्रिका समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने और सकारात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करने का प्रभावी मंच बनकर उभरी है।

लोकार्पण समारोह में महिला समिति की संयोजिकाएं सीमा अग्रवाल, दीप्ति झुनझुनवाला, शालिनी केडिया, ज्योति धानूका एवं दीपा डालमिया सहित अन्य गणमान्य महिलाएं उपस्थित थीं।

सभी ने पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसके माध्यम से समाजोपयोगी विचारों के व्यापक प्रसार की अपेक्षा व्यक्त की।

वराछा को–ऑपरेटिव बैंक के शीर्ष अधिकारियों ने किया महेश बैंक का दौरा

–दोनों बैंकों के बीच बेस्ट प्रैक्टिसेज एवं बैंकिंग नवाचारों पर हुआ विचार–विमर्श

–महेश बैंक की प्रगति और आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से प्रभावित हुआ प्रतिनिधिमंडल

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूरत स्थित प्रतिष्ठित सहकारी बैंक वराछा को–ऑपरेटिव बैंक के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद के बंजारा हिल्स रोड नंबर–12 स्थित महेश बैंक के प्रधान कार्यालय का आधिकारिक एवं रणनीतिक दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बैंक के चेयरमैन नरेंद्रभाई कुकड़िया ने किया। उनके साथ विट्ठल धनानी (सीईओ), परेश केलावाला (एजीएम–आईटी) तथा अंकित डोबरिया (मैनेजर–एडमिन) भी उपस्थित थे।

महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने बैंक के अन्य निदेशकों सीए अल्का झंवर, दीपक कुमार बंग, देवेंद्र झंवर, कैलाश मंत्री, कविता तोषनीवाल, पवन कुमार लोहिया, प्रोफेशनल डायरेक्टर सुमेश कुमार बंग, जनरल मैनेजर्स जी. श्रीनिवास राव एवं कमल किशोर राठी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

बैंकिंग क्षेत्र की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों पर हुआ संवाद

दौरे का मुख्य उद्देश्य दोनों बैंकों द्वारा अपनाई जा रही श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) का आदान–प्रदान करना था। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने उपस्थित सभी निदेशकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों का परिचय कराया तथा महेश बैंक की स्थापना से लेकर वर्तमान विकास यात्रा तक की जानकारी एक संक्षिप्त प्रस्तुति के माध्यम से दी। प्रबंध निदेशक एवं सीईओ (इंचार्ज) जी. श्रीनिवास राव ने प्रतिनिधिमंडल को पिछले छह महीनों के दौरान बैंक के प्रदर्शन, विस्तार योजनाओं तथा वित्तीय उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी।

दोनों बैंकों ने साझा किए विकास के अनुभव

इस अवसर पर वराछा को–ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन नरेंद्रभाई कुकड़िया ने भी अपने बैंक की गतिविधियों, वित्तीय स्थिति तथा विकास यात्रा की जानकारी साझा की। इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल को महेश बैंक के प्रधान कार्यालय का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने बैंक की आधुनिक कार्यप्रणाली एवं सुविधाओं का अवलोकन किया। दौरे के दौरान वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को स्मृति–चिह्न, शॉल एवं पगड़ी भेंट कर सम्मानित किया।

महेश बैंक की प्रगति से प्रभावित हुए अतिथि

अपने संबोधन में नरेंद्रभाई कुकड़िया ने कहा कि वे महेश बैंक की उल्लेखनीय प्रगति, उत्कृष्ट मेहमाननवाजी तथा अत्याधुनिक प्रधान कार्यालय भवन से अत्यंत प्रभावित हैं। उन्होंने महेश बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को भी सूरत स्थित वराछा को–ऑपरेटिव बैंक का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया।

2028 तक पांच नई शाखाएं खोलने की योजना

महेश बैंक वर्तमान में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित चार राज्यों में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। बैंक ने पात्रता नियमों के अधीन वर्ष 2028 में अपनी स्वर्ण जयंती तक पांच नई शाखाएं स्थापित करने की योजना बनाई है।

बैंक अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए स्वयं को एक ऐसे आधुनिक वित्तीय संस्थान के रूप में विकसित कर रहा है, जो किसी भी वाणिज्यिक बैंक की तरह अत्याधुनिक तकनीक आधारित उत्पाद एवं सेवाएं उपलब्ध कराता है।

31 मई 2026 तक बैंक का कुल बिजनेस मिक्स 3,035.70 करोड़ रुपये रहा है तथा वित्तीय वर्ष 2026–27 के अंत तक इसके 4,100 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद व्यक्त की गई है। बैंक प्रबंधन ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में महेश बैंक सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण एवं जीव सेवा के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सेठ हरचंदराय कौशल्या देवी अग्रवाल नांगल दुर्गु परिवार की अनूठी पहल

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर सेठ हरचंदराय कौशल्या देवी अग्रवाल नांगल दुर्गु परिवार की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण, जीव सेवा एवं सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से विशेष सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। अपनी मातृभूमि में वृक्षारोपण कर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई तथा भीषण गर्मी में प्यास से व्याकुल मूक पक्षियों एवं अन्य जीवों के लिए विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाकर जल की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर हैदराबाद प्रवासी समाजसेवी राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मनुष्य चाहे जीवन में कितनी भी ऊंचाइयों तक पहुंच जाए, उसकी जड़ें सदैव अपनी मातृभूमि से जुड़ी रहती हैं। जिस धरती ने हमें जन्म दिया, संस्कार दिए और जीवन की दिशा प्रदान की, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। वृक्षारोपण और जीव सेवा उसी कृतज्ञता का एक विनम्र प्रयास है। राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि आज पर्यावरण असंतुलन, बढ़ते तापमान और जल संकट जैसी समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुकी हैं। ऐसे समय में केवल विचार व्यक्त करने से नहीं, बल्कि धरातल पर छोटे–छोटे कार्य करने से सकारात्मक परिवर्तन संभव है। एक पौधा लगाना, उसकी नियमित देखभाल करना, पक्षियों के लिए पानी रखना तथा जीव–जंतुओं के प्रति दया का भाव रखना भी प्रकृति की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

उन्होंने बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से राजस्थान और हरियाणा में अपनी मातृभूमि के आसपास निरंतर सेवा कार्यों में संलग्न हैं। वृक्षारोपण, तुलसी के पौधों का वितरण, परिंडे लगवाना तथा पशु–पक्षियों के लिए पानी और दाने की व्यवस्था जैसे कार्य नियमित रूप से किए जा रहे हैं।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सेवा का वास्तविक आनंद तभी प्राप्त होता है जब उसमें किसी प्रकार की अपेक्षा, प्रसिद्धि या सम्मान की इच्छा न हो। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि जब कोई प्यासा पक्षी परिंडे से पानी पीकर अपनी प्यास बुझाता है अथवा कोई पौधा विकसित होकर छाया प्रदान करता है, तो वही सबसे बड़ा पुरस्कार होता है।

उन्होंने कहा कि प्रकृति एवं जीव–जंतुओं की सेवा से जो आत्मिक संतोष प्राप्त होता है, उसकी तुलना किसी भी भौतिक उपलब्धि से नहीं की जा सकती। उनके अनुसार उनके जीवन का मूल मंत्र केवल इतना है कि परमात्मा जो करवाए, वही अच्छा करवाए। वे स्वयं को ईश्वर की इच्छा का मात्र एक माध्यम मानते हैं और उसी भावना के साथ समाज एवं प्रकृति की सेवा में निरंतर लगे हुए हैं।

सेवा भाव से किया गया हर कार्य ईश्वर की सच्ची आराधना है : शिव भगवान अग्रवाल

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवा भाव से जुड़े सदस्यों ने भाग लेकर मानव सेवा के इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता निभाई।

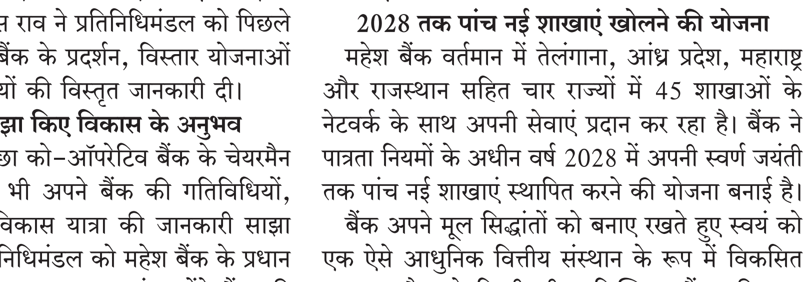

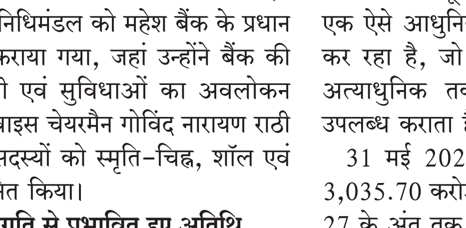

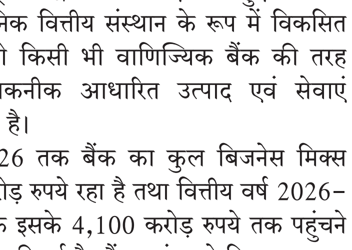

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिव भगवान अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भाव, समर्पण और निरंतरता के साथ समाज सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है, वह वास्तव में अत्यंत सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल जरूरतमंदों की सहायता का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे संस्कारों, मानवीय मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है। जब समाज के लोग बिना किसी स्वार्थ के एक–दूसरे की सहायता के लिए आगे आते हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई ऊर्जा का संचार होता है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप ने सेवा, सहयोग और सद्भावना के माध्यम से समाज में एक आदर्श स्थापित किया है। अन्नदान, जरूरतमंदों की सहायता तथा विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रुप लगातार मानवता की सेवा कर रहा है। ऐसे कार्य समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरणा देते हैं कि वे अपने सामर्थ्य के अनुसार समाजहित में योगदान दें।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है और इसी भावना के साथ राधे–राधे ग्रुप आगे भी अपने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेगा।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, अनिल धारशुवाले अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय एवं रेनू शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

एनएमडीसी ने मनाया पर्यावरण दिवस

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक और एक जिम्मेदार खनन कंपनी एनएमडीसी ने हैदराबाद में अपने मुख्यालय और देश भर में स्थित अपनी परियोजनाओं में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 मनाया, जो सतत खनन और पर्यावरण प्रबंधन के प्रति एनएमडीसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है ।कंपनी ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जो पर्यावरण सुस्थिरता की दिशा में सामूहिक कार्रवाई के महत्व को उजागर करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए पर केंद्रित रहा । समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ जो हरित भविष्य के निर्माण के लिए एक साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है । श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के नेतृत्व में श्री जॉयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन), श्री कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक), श्री अनुराग कपिल, निदेशक (वित्त), और श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने पर्यावरण की शपथ दिलवाते हुए कर्मचारियों को प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और सुस्थिर प्रथाओं को बढ़ावा देने में योगदान करने के लिए प्रेरित किया ।

कार्यक्रम के भाग के रूप में, पर्यावरण के प्रति जागरूकता संबंधी अनेक वीडियो दिखाए गए और एनएमडीसी की पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण और सुस्थिर खनन प्रथाओं के लिए चल रही पहलों को प्रदर्शित करने वाला एक वृत्तचित्र दिखाया गया ।

अपनी सभी परियोजनाओं में, एनएमडीसी ने वृक्षारोपण अभियान चलाए और कर्मचारियों तथा छात्रों के लिए पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने और सुस्थिरता पर अभिनव सोच को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। कंपनी ने सुस्थिर विकल्पों को बढ़ावा देने और रोजमर्रा के जीवन में पर्यावरणीय जिम्मेदारी को सुदृढ़ करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का वितरण भी किया ।

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, पृथ्वी अपने अस्तित्व के अधिकांश समय तक मनुष्यों के बिना जीवित रही है और अस्तित्व उल्लेखनीय रहा है । मुझे यकीन है कि अगर भविष्य में मनुष्य का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, तो भी पृथ्वी का अस्थित्व आराम से बना रहेगा । इसलिए, यह हमारे ही हित में है कि हम भूमंडल की देखभाल करें और यह सुनिश्चित करें कि यह यह हमारे रहने योग्य बना रहे। यह पृथ्वी के लिए नहीं बल्कि मानवता की उत्तरजीविता की रणनीति है । व्यावसायिक और व्यक्तिगत दोनों प्रकार से हम जो भी कदम उठाते हैं, उसे उठाने से पहले हम उनपर जिम्मेवारीपूर्वक विचार अवश्य करें ।

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार संगठन के रूप में, एनएमडीसी जिम्मेदार खनन में विश्वास रखता है और उसका पालन करता है । आज हम जो करते हैं वह हमें गर्व महसूस कराता है, न केवल इसलिए कि हम व्यवसाय में निरंतर मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि इसलिए भी कि हम पर्यावरण और समुदायों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं । आज जब देश एक सुस्थिर भविष्य की ओर बढ़ रहा है, एनएमडीसी यह प्रदर्शित करता है कि जिम्मेदार खनन और पर्यावरण प्रबंधन साथ-साथ चल सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि पृथ्वी की सतह से नीचे जो पोषित होता है वह उसके ऊपर मौजूद जीवन में भी सार्थक योगदान देता है ।

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ भव्यता एवं भक्तिभाव के साथ जारी

श्री अनिरुद्ध महाराज के श्रीमुख से भक्तों को मिल रहा आध्यात्मिक ज्ञान

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर स्थित सनराइज अपार्टमेंट में श्री छोटेलाल गिरधारीलाल शर्मा परिवार के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ भक्तिभाव एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच भव्यता से जारी है। विख्यात कथावाचक परम श्रद्धेय श्री अनिरुद्ध महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

आयोजक शर्मा परिवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 3 जून से 9 जून 2026 तक वृंदावन से पधारे व्यासपीठ प्रवक्ता एवं कथावाचक परम श्रद्धेय श्री अनिरुद्ध महाराज के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमदभाई पटेल, रिद्धिश जागीरदार तथा श्रीराम अयोध्या चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन स्वामी कमलेश महाराज ने भाग लेकर कथा का श्रवण किया। अपने प्रवचन में श्री अनिरुद्ध महाराज ने सरकार से गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि गौ माता साक्षात भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप हैं तथा गो-सेवा ही भगवान की सच्ची सेवा है। जो व्यक्ति श्रद्धा और समर्पण के साथ गोसेवा करता है, उसके जीवन में कभी दरिद्रता नहीं आती।

श्री अनिरुद्ध महाराज ने कहा कि कथा श्रवण से जीवन की अनेक बाधाएं दूर होती हैं तथा मनुष्य को तन, मन और धनतीनों प्रकार का सुख प्राप्त होता है। ईश्वर ही जीवन का अंतिम आश्रय और श्रद्धेय हैं। जीवन की प्रत्येक समस्या का समाधान प्रभु की शरण में ही संभव है। उन्होंने सभी लोगों से प्रतिदिन कम से कम एक बार भगवान का स्मरण अवश्य करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन कराना, पशु-पक्षियों के प्रति करुणा रखना और गौ सेवा करना ही सच्ची मानवता है। गाय का दूध, दही और गोमूत्र अनेक प्रकार से उपयोगी एवं औषधीय गुणों से युक्त हैं। गाय हमारी माता है और उसकी रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। श्रीमद्भागवत को उन्होंने कल्पवृक्ष की संज्ञा देते हुए कहा कि भगवान सच्चे भक्तों की उचित एवं कल्याणकारी कामनाओं को अवश्य पूर्ण करते हैं।इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमदभाई पटेल, रिद्धिश जागीरदार तथा स्वामी कमलेश महाराज ने श्री अनिरुद्ध महाराज का सम्मान एवं स्वागत किया। वहीं शर्मा परिवार की ओर से कथा में पधारे सभी विशिष्ट अतिथियों का भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम में श्री गिरधारीलाल शर्मा, रमेश चंद्र, महेश शर्मा, पंकज, कपिल, मनीष, मुकेश शर्मा, श्रीनिवासन शर्मा, डॉ. राकेश कौशिक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

सतत कृषि के लिए नवीन छिड़काव प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण आयोजित

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद ने 1-5 जून 2026 तक सतत कृषि के लिए अभिनव छिड़काव प्रौद्योगिकियां पर पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया, इसमें देश भर के कृषि पेशेवरों को स्मार्ट और टिकाऊ फसल सुरक्षा के भविष्य को समझने के लिए एक साथ लाया गया ।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , इंटरनेट ऑफ थिंग्स , डिजिटल कृषि और सटीक फसल सुरक्षा प्रणालियों जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर इसका जोर था । प्रतिभागियों को एआई-संचालित कीट निदान और सलाहकार प्लेटफार्मों, आईओटी-सक्षम सटीक कृषि अनुप्रयोगों, ड्रोन-आधारित छिड़काव प्रौद्योगिकियों, सेंसर-निर्देशित स्प्रे सिस्टम और उन्नत निर्णय-समर्थन उपकरणों सहित कई उभरते नवाचारों से परिचित कराया गया । पर्यावरण प्रभाव को कम करते हुए कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है ।

प्रशिक्षण में सटीक छिड़काव और निराई प्रौद्योगिकियों, डिजिटल उपकरणों, एनपीएसएस-आधारित कीट निदान और सलाहकार प्रणालियों, स्प्रेयर अंशांकन तकनीकों, नोजल चयन और प्रदर्शन, और कीटनाशक सुरक्षा प्रथाओं का भी व्यापक कवरेज प्रदान किया गया । विशेषज्ञ व्याख्यान, इंटरैक्टिव चर्चाओं, व्यावहारिक सत्रों, फील्ड प्रदर्शनों और अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) और एआरआईएसए प्रयोगशाला के एक्सपोजर विज़िट के संयोजन के माध्यम से, प्रतिभागियों ने आधुनिक कृषि के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया । कार्यक्रम को इसके व्यावहारिक अभिविन्यास और अगली पीढ़ी के समाधानों पर इसके ध्यान के लिए प्रतिभागियों से उत्साही प्रतिक्रिया मिली, जो इनपुट-उपयोग दक्षता में काफी सुधार कर सकते हैं, कीटनाशक उपयोग को अनुकूलित कर सकते हैं, उत्पादन लागत को कम कर सकते हैं, और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार कृषि प्रथाओं को बढ़ावा दे सकते हैं । इस प्रशिक्षण ने ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों के कृषि अधिकारियों, बागवानी विकास अधिकारियों और वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (पौध संरक्षण) को आकर्षित किया, जिससे तकनीकी नवाचार के माध्यम से टिकाऊ कृषि को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध पेशेवरों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण हुआ ।

यह कार्यक्रम कृषि हितधारकों की क्षमता को मजबूत करने और भारत में टिकाऊ और लचीली कृषि प्रणालियों को प्राप्त करने के लिए स्मार्ट, विज्ञान-आधारित समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए एनआईपीएचएम की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

एनआईपीएचएम में वृक्षारोपण अभियान आयोजित

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों पर दिया गया जोर

नीम, आंवला, पीपल और जामुन के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित रही। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के वैश्विक अभियान NowForClimate के तहत सभी से जलवायु संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के रजिस्ट्रार श्री कुर्रा श्रीनिवास ने जलवायु परिवर्तन की गंभीरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वनों का संरक्षण और विस्तार जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी को आवश्यक बताया। इस अवसर पर पादप जैव सुरक्षा प्रभाग (पीबीडी) के निदेशक ने जलवायु परिवर्तन से निपटने तथा पर्यावरण एवं कृषि क्षेत्र की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न पहलों की जानकारी दी। वहीं पीएमडी के निदेशक ने सभी से अपने दैनिक जीवन में छोटी-छोटी पर्यावरण अनुकूल आदतें अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर किए गए छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं और इसका सकारात्मक प्रभाव देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व पर पड़ता है। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान परिसर में नीम, आंवला, पीपल एवं जामुन के कुल 10 पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण तथा हरित भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक एवं अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा सभी ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर तापमा पर्यावरण समिति ने चलाया वृक्षारोपण अभियान

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तेलंगाना एंड आंध्र प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (तापमा) की पर्यावरण समिति द्वारा हैदराबाद में विशेष वृक्षारोपण एवं पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। वर्ष 2026 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखा सहनशीलता के अनुरूप आयोजित इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा जन-जागरूकता को बढ़ावा देना था। तापमा का मानना है कि उद्योग और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। प्लास्टिक उद्योग जहां रीसाइक्लिंग और सर्कुलर इकोनॉमी को प्रोत्साहित कर रहा है, वहीं हरियाली बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

पर्यावरण जागरूकता समिति के अध्यक्ष राधेश्याम लोया ने बताया कि नारायणगुड़ा स्थित मेलकोट पार्क तथा आसपास के सामुदायिक क्षेत्रों में नीम, पीपल, बरगद और गुलमोहर जैसे छायादार वृक्षों के साथ-साथ गेंदा, गुड़हल, चमेली और बोगनवेलिया जैसी फूलदार झाड़ियों का रोपण किया गया। इस अभियान में तापमा की प्रबंध समिति, पर्यावरण समिति के सदस्य, स्थानीय उद्योगपति तथा युवा स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उन्होंने बताया कि एक ही दिन में 50 से अधिक वृक्षों तथा बड़ी संख्या में फूलदार पौधों का रोपण किया गया, जिससे क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

तापमा अध्यक्ष नरेंद्र बलदवा ने कहा कि प्लास्टिक उद्योग केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभा रहा है। रीसाइक्लिंग के माध्यम से कचरे को कम करना और वृक्षारोपण के माध्यम से ऑक्सीजन बढ़ाना, दोनों ही उद्योग जगत के महत्वपूर्ण दायित्व हैं।उन्होंने बताया कि तापमा पर्यावरण समिति ने संकल्प लिया है कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल की जाएगी तथा प्रत्येक तिमाही में उनकी वृद्धि और संरक्षण की समीक्षा की जाएगी।

भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए नरेंद्र बलदवा ने बताया कि हर फैक्ट्री, एक उपवन अभियान के अंतर्गत तापमा से जुड़े प्रत्येक उद्योग से अपने परिसर में न्यूनतम 20 पेड़ लगाने का अनुरोध किया गया है। इसके अतिरिक्त आसपास के सरकारी विद्यालयों में इको क्लब स्थापित कर बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने तथा रीसाइकल्ड प्लास्टिक से बने गमलों में पौधारोपण को बढ़ावा देने की भी योजना बनाई गई है, जिससे वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा को साकार किया जा सके। तापमा के उपाध्यक्ष अरुण लाहोटी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि सतत प्रयास और जन-जागरूकता का अभियान है। तापमा पर्यावरण समिति द्वारा किया गया यह वृक्षारोपण कार्यक्रम इस बात का संदेश देता है कि उद्योग जगत हरियाली और विकास को साथ लेकर चलने के लिए पूरी तरह तैयार है।इस अवसर पर तापमा पर्यावरण समिति के चेयरमैन राधेश्याम लोया के साथ तापमा अध्यक्ष नरेंद्र बलदवा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भास्कर रेड्डी, उपाध्यक्ष अरुण लाहोटी, पूर्व अध्यक्ष विमलेश गुप्ता, संयुक्त सचिव नितिन सांघी, प्रबंध समिति सदस्य विजय कुमार एवं एम.ए. अलीम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति वृक्षारोपण अभियान में उपस्थित रहे।

दमा रोगियों की सेवा के लिए जन सेवा संघ ने संभाली कमान

नुमाइश मैदान में खिचड़ी, फल एवं पेयजल के साथ 24 घंटे उपलब्ध रहेगी सेवा

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जन सेवा संघ एक जिम्मेदार सामाजिक संस्था है, जिसकी स्थापना वर्ष 2007 में हुई थी। संस्था के हजारों कार्यकर्ता हैदराबाद, सिकंदराबाद, शहर के सीमावर्ती क्षेत्रों तथा तेलंगाना के विभिन्न जिलों में सक्रिय हैं और सामाजिक उत्थान, जनजागरूकता तथा सेवा कार्यों के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि लब्धप्रतिष्ठ बत्तिनी परिवार द्वारा दशकों से देशभर के दमा रोगियों के लिए मछली दवा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है, जिसे समाज सेवा की एक अनूठी परंपरा के रूप में व्यापक पहचान प्राप्त है। इस अवसर पर प्रतिवर्ष अनेक सामाजिक संस्थाएं अपना सहयोग प्रदान करती हैं। जन सेवा संघ वर्ष 2008 से इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। संस्था के सैकड़ों कार्यकर्ता नुमाइश मैदान में शिविर लगाकर दमा रोगियों की सेवा में समर्पित भाव से जुटे रहते हैं। शिविर में रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए शुद्ध खिचड़ी, पौष्टिक फल तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जाती है और यह सेवा दवा वितरण के दिन लगातार 24 घंटे तक उपलब्ध रहती है।

इस बार भी मछली दवा प्रसाद वितरण के अवसर पर सेवा कार्य का संचालन जन सेवा संघ की चिकित्सा समिति की देखरेख में किया जाएगा। इस अवसर पर जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, मेडिकल कमेटी कन्वीनर सीताराम ठाकुर, छठ पूजा एवं उत्सव समिति संयोजक आर.पी. सिंह, केंद्रीय समिति एवं नॉर्थ जोन जोनल प्रेसिडेंट राधेश्याम राय यादव, समस्या निवारण समिति संयोजक परमानंद शर्मा, डेलिगेशन समिति संयोजक के.डी. चौबे, समन्वय एवं संचालन समिति संयोजक डी.डी. तिवारी, मीडिया प्रभारी विनीत सिंह, एल.एम. चौधरी, श्रवण कुमार, मोहम्मद मुनव्वर, हरी सिंह, के.एल. श्रीनिवासा राव, ए.के. मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लकडी का पुल स्थित वासवी सेवा केन्द्र में तेलंगना हाउसिंग कार्पोरेशन के पूर्व चेयरमैन कोलेटी दामोदर के जन्मदिन पर उनका अभिनंदन करते हुए पूर्व मंत्री टी. श्रीनिवास यादव, श्री गुजराती सेवा मंडल के अध्यक्ष घनश्याम पटेल, मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट, जसभाई पटेल, दिनेश लालगुरू, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य।

SEVEN HILLS CO-OP. URBAN BANK LTD.
HO: 15-9-372/13, Mehaboob Gunj, Hyderabad-500 012. (T.A. No. 1452)
Tel. : 040-24650044, 24650090; Website : www.sevenhills.bank.in
e-mail : info@sevenhills.bank.in

NOTICE OF ANNUAL GENERAL BODY MEETING

Notice is hereby given that the 28th Annual General Body Meeting of the Bank will be held on Tuesday the 30th June 2026 at 6.00 P.M. at Hotel The Platinum Boutique INN, Liberty 'X' Road, Beside TTD Temple, Himayath Nagar, Hyderabad to transact the following business:

AGENDA

1. To consider and adopt the 28th Annual Report along with the Audited Statement of Accounts of the Bank for the Financial Year 2025-2026.
2. To approve appropriation of Net Profit of the Bank and to declare dividend for the year ended 31st March 2026.
3. To ratify the expenditure incurred for the financial year ended 31st March 2026.
4. To approve Annual Budget of Income and Expenditure for the Financial Year 2026-2027.
5. To ratify the Admission / Withdrawal / Transfer of Shares made by the Managing Committee up to 31st March 2026.
6. To note and confirm the investments of funds made up to 31st March 2026
7. To review the attendance of the Committee Members.
8. To review all overdue loans as on 31.03.2026
9. To approve transfer of unclaimed dividend for the Financial Year 2022-2023 declared but not claimed by members to reserve fund as per Bye Law No.44(4).
10. To consider any other subject by and with the permission of the Chair.

BY ORDER OF THE BOARD OF DIRECTORS
Sd/-
CHIEF EXECUTIVE OFFICER

Dt. 28.05.2026

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.